हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

पार्लियामेंट से पंचायत तक भाजपा ही भाजपा

पहले विधानसभा में जीत... लोकसभा की 11 में से 10 सीटों पर विजय, अब... निगम, पालिका और नगर पंचायतों में परचम

नगर निगम

	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
रायपुर 70	60	07	03
दुर्ग 60	43	11	06
राजनांदगांव 51	39	09	03
धमतरी 40	27	--	--
जगदलपुर 48	30	16	02
रायगढ़ 48	34	12	02
चिरमिरी 40	27	11	02
बिलासपुर 70	49	18	03
अंबिकापुर 48	31	15	02
कोरबा 67	45	11	11

नगर पालिका

कुल 49	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
	35	08	06

नगर पंचायत

कुल 114	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
	81	22	11

	रायपुर	जगदलपुर	रायगढ़	राजनांदगांव	कोरबा	बिलासपुर	अंबिकापुर	दुर्ग	चिरमिरी	धमतरी
	मीनल चौबे (भाजपा)	दीप्ति दुबे (कांग्रेस)	संजय पांडे (भाजपा)	मलकीत सिंह गैंदू (कांग्रेस)	जीवर्धन चौहान (भाजपा)	जानकी काटजू (कांग्रेस)	मधूसुदन यादव (भाजपा)	निखिल द्विवेदी (कांग्रेस)	संजू देवी राजपूत (भाजपा)	उषा तिवारी (कांग्रेस)	पूजा विधानी (भाजपा)	प्रमोद नायक (कांग्रेस)	मंजूषा भगत (भाजपा)	अजय तिर्की (कांग्रेस)	अलका बाघमार (भाजपा)	प्रेमलता पोषण साहू (कांग्रेस)	रामनरेश राय (भाजपा)	विनय जायसवाल (कांग्रेस)	रामू रोहरा (भाजपा)	आशीष रात्रे (बसपा)
	3,15,835	1,62,545	38,038	29,276	56,311	21,946	68,551	24,096	93,581	45,471	1,52,011	85,944	42,836	31,773	1,07,642	40,347	18,891	13,199	38,665	4,580
	जीत का अंतर: 1,53,290		जीत का अंतर: 8,762		जीत का अंतर: 34,365		जीत का अंतर: 44,455		जीत का अंतर: 48,116		जीत का अंतर: 66,067		जीत का अंतर: 11,063		जीत का अंतर: 67,295		जीत का अंतर: 5,692		जीत का अंतर: 34085	

कमल का 'कमाल' कांग्रेस हुई 'बेहाल'

नगरीय निकाय के चुनाव परिणाम आ गए। परिणाम बेहद चौंकाने वाले रहे। भाजपा के लिए भी और कांग्रेस के लिए भी। भाजपा के लिए इसलिए क्योंकि सभी दस की दस नगर निगमों में शानदार तरीके से सत्ता पर काबिज हो गई। कांग्रेस इसलिए क्योकि...उसका सूपड़ा साफ हो गया। जिन नगर निगमों में एकछत्र राज था...वहां भी कांग्रेस धराशायी हो गई। कांग्रेस के दिग्गज अपने गढ़ भी नहीं बचा पाए। भाजपा के कमल छाप कमाल दिखा...कांग्रेस बेहाल नजर आई। भाजपा का नारा सार्थक हो गया...अब उसकी पार्लियामेंट से पंचायत तक सत्ता है, क्योंकि नगर पंचायतों में भी भाजपा ने झंडे गाढ़ दिए हैं।

साय सरकार ने पास की चुनाव की 'परीक्षा'

ननि, नपा और नपं में भी भाजपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुबह 9 बजे से नतीजे आने शुरू हुए। प्रारंभ से ही सभी निगमों में भाजपा प्रत्याशियों ने बढ़त बनाई जो अंत तक कायम रही। सबसे बड़ी जीत भाजपा को राजधानी रायपुर से मिली। यहां पर मीनल चौबे ने रिकार्ड डेढ़ लाख से ज्यादा मतों से कांग्रेस प्रत्याशी को पटखनी दी। सबसे कम मतों से चिरमिरी में जीत मिली। यहां से रामनरेश राय कांग्रेस के विजय जायसवाल से महज 5692 मतों से जीते। नगर निगमों के साथ ही भाजपा को 35 नगर पालिकाओं और 81 नगर पंचायतों में भी बड़ी जीत मिली।

प्रदेश में 11 फरवरी को नगरीय निकाय चुनाव में हुए मतदान के बाद शनिवार को मतों की गिनती सुबह को 8 बजे से प्रारंभ हुई। सबसे पहले डाक मत पत्रों की गिनती के बाद करीब 9 बजे से ईवीएम मशीनों से गिनती का काम प्रारंभ किया गया। डाक मत पत्रों की गिनती में एक मात्र अंबिकापुर में कांग्रेस को बढ़त मिली, लेकिन जैसे ही ईवीएम मशीनों से गिनती प्रारंभ हुई तो अंबिकापुर से भी भाजपा को बढ़त मिल गई। इसके बाद हर नगर निगम में भाजपा के प्रत्याशियों की बढ़त ही रही। ▶▶| शेष पेज 6 पर

सबसे बड़ी जीत मीनल और छोटी रामनरेश की

नगर निगमों के चुनाव में सबसे बड़ी जीत राजधानी रायपुर के नगर निगम से मीनल चौबे को मिली। उनको 1 लाख 53 हजार 290 मतों से जीत मिली। मीनल चौबे को 3 लाख 15 हजार 835 मत मिले, वहीं कांग्रेस की दीप्ति दुबे को 1 लाख 62 हजार 545 मत मिले। इसी के साथ सबसे कम 5692 मतों से चिरमिरी के भाजपा प्रत्याशी रामनरेश राय जीते। चिरमिरी में भी कांटे का मुकाबला माना गया था, यहां पर वैसा ही मुकाबला देखने को मिला।

- पार्लियामेंट से पंचायत तक... भाजपा ही भाजपा
- भाजपा ने दिखाया दस का दम, कांग्रेस बेदम

किसने क्या कहा...

जेपी नड्डा

डबल इंजन सरकार की जन हितैषी योजनाओं पर विश्वास की जीत

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी व जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

साय बोले

ऐतिहासिक सफलता मिली करेंगे सारे वादे पूरे

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, आज का दिन स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा। भाजपा को नगरीय निकाय चुनाव में ऐतिहासिक सफलता मिली है। प्रदेश की जनता ने भाजपा पर भरोसा किया है। पीएम मोदी पर और गारंटी पर विश्वास किया है। जनता ने हमारी सरकार के 13 महीने के कार्यों पर विश्वास किया है। निकायों में भाजपा को जनादेश देने के लिए जनता को धन्यवाद। ▶▶| शेष पेज 6 पर

नितिन नबीन

पहले ही किया था दावा

भाजपा के छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नबीन ने नगर निकाय चुनाव परिणाम पर प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि हमने चुनाव घोषणा के समय ही दावा किया था कि एक साल में साय सरकार के सुशासन और भाजपा संगठन के समर्पण के बूते पार्लियामेंट से पंचायत तक कमल खिलेगा। जनादेश ने आज इसे साबित कर दिया। हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

किरण देव

जनता ने विकास का मार्ग चुना

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, प्रदेश तेजी से विकास के नित-नए आयाम गढ़ रहा है। निकाय क्षेत्रों की जनता ने एक बार फिर कांग्रेस को पूरी तरह खारिज कर दिया है। भाजपा की ऐतिहासिक जीत को विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प की जीत निरूपित करते हुए श्री देव ने कह, प्रदेश की जनता ने कांग्रेस रूपी अभिशाप से मुक्त होकर विकास का मार्ग चुना है।

दीपक बैज

भाजपा ने चुनाव में सत्ताबल धनबल का दुरुपयोग किया

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं आए। जनादेश शिरोधार्य है। कांग्रेस पार्टी ने पूरी ताकत और एक जुटता से चुनाव लड़ा। हमारे सभी वरिष्ठ नेता चुनाव अभियान का प्रमुख हिस्सा थे। कांग्रेस ने पूरे चुनाव में अपने सिद्धांतों पर समझौता नहीं किया।

नगर पंचायतों में भी लहराया परचम

नगर निगम में भाजपा ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ किया। परिषदों में भी कमल खिलाया। वहीं नगर पंचायतों में भी भाजपा ने परचम लहराया है। 114 नगर पंचायत में अध्यक्षों के लिए चुनाव हुए। भाजपा ने 114 में से 81 जगहों पर कब्जा कर लिया। कांग्रेस को मात्र 22 जगहों पर ही सफलता मिल पाई। वहीं बहुजन समाज पार्टी को एक सीट में जीत मिली है। निर्दलियों ने 10 स्थानों पर भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों को हराकर चुनाव जीता है। भाजपा ने प्रतिष्ठित समझी जाने वाली नगर पंचायतों में भी विजय हासिल की है। कांग्रेस के दिग्गजों वाले प्रभाव वाली पंचायतों में भी भाजपा ने जीत हासिल की है।

निगम में भाजपा की जीत के 3 कारण...

कांग्रेस में समन्वय की कमी भाजपा का मजबूत संगठन और वादों को पूरा करना

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत और कांग्रेस का सूफड़ा साफ हो गया। चुनाव में ऐतिहासिक परिणाम के पीछे के कारणों को देखें, तो पता चलता है कि जनता ने जिस तरह से विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा को पसंद किया था, नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को एक बार फिर प्रचंड मतों से विजयी बनाकर उसके प्रति फिर से अपना समर्थन व्यक्त किया है। पूरे चुनाव को देखें, तो तीन कारणों से यह परिणाम भाजपा के पक्ष में रहा।

एक्सपर्ट व्यू

सुशील त्रिवेदी, पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त

पहला बड़ा कारण *यह दिखा कि कांग्रेस संगठन और वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय की भारी कमी दिखी। दिग्गज नेताओं के ऐसे बयान आए जिन्होंने आपस में ही खींचतान को जाहिर कर दिया। जाहिर है इसका असर कार्यकर्ताओं और चुनाव पर पड़ा। इसके उलट देखें, भाजपा नेताओं के बीच समन्वय के कारण निकायों में चुनाव को सरलता से अंजाम दिया गया। कांग्रेस अपने विद्रोहियों को संतुष्ट करने में असफल रही। भाजपा में कहीं-कहीं विद्रोह के स्वर दिखे, जिसे आसानी से सुलझा लिया गया। दोनों पार्टियो के संगठन में यह फर्क नतीजों में दिख रहा है।*

दूसरा कारण... *पिछले दो चुनावों में भाजपा के घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने की धारणा के कारण भी भाजपा की प्रचंड जीत के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा ने अपने प्रचार में यह बताने की कोशिश की कि हम जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। महतारी वंदन इस चुनाव में भी ट्रंप कार्ड रहा है। भाजपा सरकार एक के बाद एक, अपने वादे पूरा कर रही है। इसकी वजह से कांग्रेस को जनता के बीच सरकार विरोधी माहौल बनाने में सफलता नहीं मिल पाई।*

तीसरा कारण... *भाजपा का संगठन अब बेहद मजबूत हो गया है। दिल्ली से पंचायत तक भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की मॉनीटरिंग करने में समक्ष है। निकाय चुनावों में भाजपा प्रचार में कांग्रेस से काफी आगे रही। प्रचार का सक्षम तंत्र भाजपा ने विकसित किया, वैसा कांग्रेस नहीं कर पाई। वहीं चुनाव में खर्च करने में भाजपा काफी आगे रही, कांग्रेस उसके मुकाबले काफी पीछे दिखाई दी। पूरे चुनाव के दौरान भाजपा ने अपने नेताओं को मोर्चे पर प्रचार के लिए तैनात किया, जो चुनाव के अंत तक अपने क्षेत्र में जुटे रहे। कांग्रेस में यह कमी देखने को मिली।*

कांग्रेस के 70 में से महज 7 प्रत्याशी ही पार्षद का चुनाव जीत पाए

रायपुर के इतिहास में कांग्रेस का सबसे खराब प्रदर्शन

रायपुर नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस प्रचार में कमतर दिख रही थी। संगठन स्तर पर भी कांग्रेस के महापौर और पार्षद प्रत्याशी अपने-अपने स्तर पर जूझते नजर आ रहे थे। इसके बावजूद कांग्रेस मुकाबले में दिख रही थी। कम से कम पार्षद स्तर पर कांग्रेस टक्कर देती नजर आई। लेकिन नतीजों ने चौंका दिया। रायपुर के इतिहास में कांग्रेस पार्टी का इस चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन रहा। कांग्रेस पार्टी 70 में से महज 7 प्रत्याशी ही पार्षद का चुनाव जीत पाए, जबकि भारतीय जनता पार्टी से 60 प्रत्याशियों ने डंका बजाकर पार्षद पद का चुनाव जीता। खास बात ये रही कि निवृत्तमान महापौर एजाज ढेबर पार्षद पद

का चुनाव भी हार गये। वहीं उनके परिषद के आधा दर्जन एमआईसी सदस्यों को हार का मुंह देखना पड़ा। इनमें वरिष्ठ पार्षद व पूर्व एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन, सतनाम पनाग, कांग्रेस से टिकट न मिलने पर बागी के रूप में आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ने वाले निवृत्तमान एमआईसी सदस्य समीर अख्तर, सहदेव व्यवहार चुनाव हार गये। नगर निगम रायपुर में लगातार 3 बार शहर की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस को इस बार के निगम चुनाव में मुंह की खानी पड़ी। पहली बार ऐसा हुआ जब नगर निगम के 70 वार्ड में से महज 7 वार्ड में ही कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव जीत पाये, जबकि 60 वार्डो में भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीतकर पार्षद के पद पर काबिज हुये। निर्दलीय के खाते में 3 सीटें आयीं। इनमें से एक निर्दलीय कांग्रेस से बागी हुये पूर्व एमआईसी सदस्य आकाश तिवारी हैं, जिन्होंने पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड से पार्षद पद का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा।

पालिका में भाजपा 49 में 35 सीट जीती, कांग्रेस 8 पर सिमटी, एक सीट आप को, पांच निर्दलीय

नगर पंचायतों में भी भाजपा का डंका 114 में 81 सीटों पर जीत

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के चुनाव में भाजपा जहां नगर निगमों में एकतरफा जीत हासिल करते हुए कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने में सफल रही, वहीं राज्य की 49 पालिकाओं में भी भाजपा का प्रदर्शन शानदार रहा है। भाजपा ने 49 में से 35 सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस के हिस्से में 8 पालिका आई है। आम आदमी पार्टी एक सीट जीत पाई, पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने पांच सीटें जीती हैं। यह तस्वीर पिछले चुनाव से पूरी तरह अलग है। 2019 के चुनाव में अधिकांश पालिकाओं में कांग्रेस का कब्जा हुआ था, लेकिन उस दौर में यह चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से हुआ था। नगर पंचायतों के चुनाव 114 सीटों के लिए हुए। इनमें से 81 पर भाजपा, 22 में कांग्रेस, बसपा 1 सीट और 10 निर्दलीय जीतकर आए हैं।

इन सीटों पर जीती कांग्रेस

निर्वाचन आयोग की जानकारी के मुताबिक कांग्रेस जिन सीटों पर पालिका चुनाव जीती है। उनमें तखतपुर, मुंगेली, कटघोरा, महासमुंद, बागबहारा,सूरजपुर, मंदिर हसौद, अभनपुर, शामिल हैं। आम आदमी पार्टी ने बोदरी सीट जीती है। दूसरी ओर निर्दलीय प्रत्याशियों ने जहां जीत हासिल की है उनमें अहिवारा, सक्ती, पेंड्रा, अकलतरा, सिमगा शामिल है।

नगर पंचायतों में भी भाजपा का डंका

नगर निगम, पालिका के बाद नगर पंचायतों के चुनाव की बात करें तो यहां भी भाजपा की जीत का डंका बजा है। राज्य की 114 नगर पंचायतों में से 81 पर भाजपा, 22 पर कांग्रेस, एक सीट पर बसपा, और 10 सीटों पर निर्दलीय जीते हैं।

15- FEB- COR- MAIN- Pg- 2 FULL PAGE_Layout 1 2/15/2025 9:04 PM Page 1

धन्यवाद

हमने बनाया है
हम ही संवारेंगे

नगरीय निकायों में भी
भाजपा सरकार

आभार

प्रचंड जीत के लिए
सबो महतारी अऊ संगवारी
मन ला

जय जोहार

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

न प्रतिष्ठा बची न गढ़...भाजपा ने कांग्रेस से दोनों छीने

सटीक साबित हुआ हरिभूमि-आईएनएच के एक्जिट पोल

हरिभूमि-आईएनएच एक्जिट पोल

अंबिकापुर-चिरमिरी में मुकाबला रायपुर-दुर्ग, राजनांदगांव समेत बाकी निगमों में भाजपा भारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि और आईएनएच के एग्जिट पोल में दस नगर निगमों की तस्वीर साफ हो गई है। दस में से दो नगर निगमों, अंबिकापुर और चिरमिरी में कांटे का मुकाबला सामने आया है। रायपुर, राजनांदगांव और दुर्ग में भाजपा एक तरफा जीत की ओर जाती दिख रही है। बाकी निगमों में भी भाजपा पूरी तरह से भारी नजर आ रही है। चुनाव प्रचार में देखा गया, भाजपा पूरी तरह से एकजुट नजर आई। इसके पहले प्रत्याशियों के चयन में भी भाजपा ने बाजी मारी। इधर कांग्रेस में इसके उलट बिखराव नजर आया। बड़े नेता भी अलग-थलग दिखे। जिस तरह की स्थिति मतदान के बाद नजर आ रही है, उससे साफ लग रहा है कि नगर निगमों में भाजपा को बड़ा फायदा रहेगा और कांग्रेस घाटे में रहेगी।

8 निगमों में भाजपा का पलड़ा भारी

दस नगर निगमों में से हरिभूमि और आईएनएच के एग्जिट पोल में 8 नगर निगमों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, जगदलपुर, कोरबा, रायगढ़ और धमतरी में भाजपा का पलड़ा भारी है। अंबिकापुर और चिरमिरी में कांटे का मुकाबला है।

नगर निगम	संभावित वोट शेयर प्रतिशत में		
	भाजपा	कांग्रेस	संभावित जीत
रायपुर	58	38	भाजपा
धमतरी	60	40	भाजपा
दुर्ग	65	34	भाजपा
राजनांदगांव	53	37	भाजपा
बिलासपुर	49	42	भाजपा
रायगढ़	54	40	भाजपा
कोरबा	56	36	भाजपा
अंबिकापुर	46	50	मुकाबला
चिरमिरी	41	43	मुकाबला
जगदलपुर	53	45	भाजपा

भाजपा का शुरू से पलड़ा भारी

नगरीय निकाय के चुनाव में भाजपा का कई मामलों में शुरू से पलड़ा भारी रहा है। एक तो प्रत्याशियों के चयन में भाजपा ने बाजी मारी। इसके बाद चुनाव प्रचार में भाजपा का बूथ मैनेजमेंट तगड़ा रहा। भाजपा ने सभी दस नगर निगमों में प्रदेश के एक-एक मंत्री को जिम्मा सौंपा। इसी के साथ हर निगम से लिए दिग्गज विधायक और सांसदों को भी जिम्मा दिया गया। रायपुर में ही एक तरफ जहां प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम को जिम्मा दिया गया, वहीं चुनाव के संचालन के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल के साथ वरिष्ठ विधायक राजेश मूणत को भी मोर्चे पर लगाया गया। इसी तरह से हर निगम में भाजपा ने पूरी ताकत झोंकी उसका फायदा अब मतदान होने के बाद मिलता नजर आ रहा है।

नगर निगम चुनाव के बाद हरिभूमि-आईएनएच ने मतदाताओं के मन की बात जानी थी। दस नगर निगम में जीत हार की मंशा भापी। मतदाताओं का रुख साफ था कि छत्तीसगढ़ में मन भाजपा की तरफ है। दस में आठ नगर निगमों में साफ तौर पर भाजपा की जीत दिख रही थी। वैसा ही हुआ। रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, दुर्ग, राजनांदगांव, बस्तर, धमतरी, कोरबा में भाजपा की जीत एकतरफा नजर आ रही थी। वहीं अंबिकापुर और चिरमिरी में मुकाबला दिख रहा था। आज आए नतीजों से साफ हो गया है कि वोटिंग के बाद मतदाताओं ने हरिभूमि-आईएनएच के सामने दिख खोल दिया था। आठ नगर निगमों में भाजपा बड़े अंतर से जीती है। वहीं अंबिकापुर और चिरमिरी में मुकाबला नजर आया है।

कांग्रेस के दिग्गजों ने संभाली थी नगर निगमों की जिम्मेदारी

भाजपा ने लगाया था मंत्रियों और विधायकों को चुनाव में

नगर निगमों के चुनाव में कांग्रेस अपना कोई भी किला नहीं बचा सकी। दस के दस निगम उसके हाथ से निकल गए। कांग्रेस संगठन ने दस निगमों में दिग्गजों ने खुद को मैदान में उतार दिया था। रायपुर और दुर्ग में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, चिरमिरी में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत बस्तर में दीपक बैज, अंबिकापुर में पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव ने मोर्चा संभाला था। लेकिन सभी जगह कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने नियम बदलकर महापौर का प्रत्यक्ष चुनाव नहीं कराया था। भाजपा ने इस बार प्रत्यक्ष चुनाव कराया और जीत दर्ज की। नियम बदलने के बाद भाजपा के सामने जीत दर्ज करने की चुनौती थी। भाजपा के सभी दिग्गजों विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव, प्रदेश के ओपी चौधरी, लखनलाल देवांगन, रामविचार नेताम, श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, संतोष पांडेय, विधायक राजेश मूणत, अमर अग्रवाल ने अपने-अपने जिम्मे वाले निगमों में भाजपा के प्रत्याशियों को जीत दिलाने में सफलता प्राप्त कर ली। किसी भी भाजपा के दिग्गज नेता की प्रतिष्ठा पर आंच नहीं आई। कांग्रेस के सभी दिग्गज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के साथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज, प्रमोद दुबे अपनी प्रतिष्ठा नहीं बचा सके।

इन्होंने संभाला था मोर्चा

रायपुर

बृजमोहन अग्रवाल

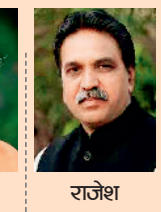
राजेश मूणत

प्रमोद दुबे

दुर्ग

विजय शर्मा

दुर्ग प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का गृह जिला है

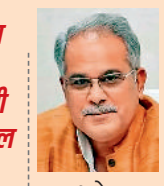
भूपेश बघेल

राजनांदगांव

डॉ. रमन सिंह

अंबिकापुर

टीएस सिंहदेव

रायगढ़

ओपी चौधरी

चिरमिरी

डॉ. चरण दास महंत

डॉ. चरणदास महंत की प्रतिष्ठा थी दांव पर

श्याम बिहारी जायसवाल

बस्तर

दीपक बैज

बस्तर में दो प्रदेशाध्यक्षों की साख दांव पर थी। बैज समर्थक मैदान में थे

किरण देव

बिलासपुर

अमर अग्रवाल

अरुण साव और अमर अग्रवाल पर थी जीत दिलाने की जिम्मेदारी

अरुण साव

भारत की आजादी के बाद कांकेर नगर पालिका में 73 साल बाद अध्यक्ष पद पर भाजपा ने फहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

नगर पालिका कांकेर में चुनाव 1952 में सबसे पहली बार हुए थे और तब से लेकर आज तक के चुनाव पर कांग्रेस के ही अध्यक्ष बनते आ रहे थे, इस बार भाजपा ने अनारक्षित सीट पर पिछड़ा वर्ग को मौका दिया और परिवर्तन की ऐसी लहर चली, जिसमें कांग्रेस का किला ढह गया और भाजपा ने परचम फहराया। भाजपा को 73 साल बाद यह जीत हासिल हुई, इस जीत का पूरा श्रेय महतारी वंदन को दिए जाने की चर्चाएं ज्यादा हो रही है। महिलाओं ने इस बार जो कमाल किया, वो काबिले तारीफ रहा। भाजपा आएगी और लहर परिवर्तन की का जो नारा चला, अंततः भाजपा को कामयाबी हासिल हुई।

1952 में सबसे पहली बार नपा चुनाव

13 अध्यक्ष अब तक आसीन हो चुके

नगरपालिका कांकेर के अध्यक्ष कक्ष में पहले अध्यक्ष से लेकर अभी तक के अध्यक्ष की फोटो लगी हुई है, जिसमें एक भी भाजपा अध्यक्ष की फोटो नहीं है। 1952 से लेकर अभी तक 13 अध्यक्ष आसीन हो चुके है। भाजपा के निर्वाचित अरूण कौशिक 14 वें अध्यक्ष होंगे। कांग्रेस के 13 अध्यक्षों में रवि श्रीवास्तव दो बार और उनकी पत्नी एक बार अध्यक्ष की कुर्सी पर आसीन हुई है। कांग्रेस के द्वारा टिकट नहीं देने पर रवि श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी को निर्दलीय चुनाव लड़वाया था और अंततः जीत दिलवाने में कामयाब रहे थे, इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रही थी। इस परिवार का कार्यकाल सबसे ज्यादा लंबा 15 वर्षो तक रहा।

विधायक को सौंपी गई थी जिम्मेदारी

प्रदेश भाजपा संगठन ने विधायक आशाराम नेताम को नगर पालिका जिताने की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कई प्रकार के संकट आने के बाद भी विधायक पहले दिन से वार्डो में डटे रहें और अंततः विधायक आशाराम नेताम की मेहनत सफल हुई और जीत भाजपा को मिली।

टूट गया मिथक

यह जीत का सेहरा लेने के लिए अब कई लोग सामने आएंगे, परंतु देखा जाए तो यह जीत विधायक के साथ-साथ भाजपा प्रत्याशी की मेहनत है, जिससे इस परिणाम को हासिल कर सके। कांकेर नगर पालिका का अभी तक जो मिथक था, वो अब टूट गया।

सिर्फ 10 वोट से जीतीं खरोरा नपं अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय के चुनाव परिणाम आ गए हैं। खरोरा नगर पंचायत में भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर हुई, जिसमें भाजपा को दस वोटों से जीत मिली है। दरअसल यहां पर कांग्रेस की मोना बबलू भाटिया को 2 हजार 2 वोट मिले हैं और बीजेपी की सुनीता अनिल सोनी को 2 हजार 12 वोट मिले हैं। सुनीता सोनी ने मात्र 10 वोट से जीत हासिल की है। जहां भारतीय जनता पार्टी के आठ पार्षद जीते वहीं कांग्रेस को एक पार्षद की जीत से ही संतुष्टि करनी पड़ी। वहीं बीजेपी ने निर्दलीय पार्षद को भी अपना ही कैंडिडेट माना है। बता दें कि, गणना के बाद कांग्रेस की गलत केलकुलेशन से जीत का हल्ला हुआ था, लेकिन दोबारा गिनती की गई तो परिणाम बीजेपी के पक्ष में सामने आए।

भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर

चाय वाले महापौर ने कहा...गरीबी देखी है, गरीबों का दुख जानता हूं, जीतने वालों ने कहा- अब जनसेवा का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, अंबिकापुर, बैकुण्ठपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, जगदलपुर, धमतरी

प्रदेश के दस नगर निगमों में भाजपा के महापौर बन गए हैं। जीतने के बाद ज्यादातर महापौरों से बातचीत में सभी से एक स्वर में कहा है कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा काम करेंगे। भाजपा जो कहती है वह करती है। हमारी पार्टी ने जो भी वादे किए हैं, उनको पूरा किया जाएगा।

शहर को बनाएंगे हरा-भराः मीनल

रायपुर। शहर की दूसरी महिला महापौर मीनल चौबे का कहना है, शहर के चार विधायक और लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के कुशल नेतृत्व के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की। साथ ही शहर के 70 वार्ड की जनता ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए आभारी हूं। महिला महापौर के रूप में शहर को स्वच्छ और सुंदर हरा-भरा शहर बनाने का प्रयास करूंगी। जनता के आशीर्वाद के रूप में अपनी इस उपलब्धि को देखती हूं। आज का दिन मेरे लिए बहुत बड़ा दिन है। चुनाव परिणाम का बेसब्री से इंतजार रहा।

जनता की करेंगे सेवाः पूजा विधानी

बिलासपुर। नवनिर्वाचित मेयर भाजपा की एल पइंजा पूजा विधानी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायकों का आभार व्यक्त करते हुए जीत का श्रेय पार्टी को दिया है। उन्होंने कहा, जनता ने एक महिला पर विश्वास किया है और वे उस विश्वास पर खरा उतरना चाहेंगी। बिलासपुर की जनता ने जिस तरह से उन्हें सहयोग दिया है, उसी तरह वे जनता की सेवा भी करेंगी। उनका कहना है कि बिलासपुर में बहुत सारी बुनियादी समस्याएं हैं, क्योंकि ⏭शेष पेज 6 पर

जनता की उम्मीदों पर पानी नहीं फिरने दूंगा : जीवर्धन चौहान

रायगढ़। नगर निगम में ऐतिहासिक जीत के बाद हरिभूमि ने नए मेयर जीवर्धन चौहान ने कहा कि एक चायवाले से शहर के प्रथम नागरिक बन गए हैं। जीत पर उन्होंने कहा, जनता कांग्रेस से त्रस्त हो चुकी थी अब कभी भी जनता की उम्मीदों पर पानी नहीं फिरने दूंगा। मैं खुद एक गरीब परिवार से हूं। मैंने गरीबी को करीब से देखा है, इसलिए मुझे गरीबों की हर तकलीफ के बारे में पता है। मैं रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के हरेक गरीब परिवारों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाऊंगा। ⏭शेष पेज 6 पर

भरोसे पर खरा उतरना ही पहली प्राथमिकताः संजूदेवी

कोरबा। महापौर पद पर निर्वाचित भाजपा की प्रत्याशी संजूदेवी राजपूत ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से चुनाव में जीत मिली है। इसलिए जनता के साथ मिलकर काम करना है और उनके भरोसे पर पूरी तरह खरा उतरना है। इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सुशासन एवं कोरबा के विधायक तथा प्रदेश के उद्योग, श्रम एवं वाणिज्यिक मंत्री लखनलाल देवांगन का कुशल नेतृत्व के साथ साथ भाजपा के एक एक कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को जाता है। संजूदेवी राजपूत ने कहा कि कोरबा की जनता ने जिस तरह विधानसभा चुनाव में भाजपा पर भरोसा जताया है उसी तरह नगरीय निकाय चुनाव ⏭शेष पेज 6 पर

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगेः रामू

धमतरी। नगरपालिक निगम चुनाव में महापौर के पद पर विजयी होने के बाद रामू रोहरा ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा कि अब धमतरी का सर्वांगीण विकास होगा। विकास का पैसा सीधे राजधानी से धमतरी आएगा। जनता ने जो आशीर्वाद दिया है, उस पर हम खरा उतरेंगे। जनता की उम्मीदों के अनुकूल शहर का विकास होगा। जनता बताएगी कि हमें क्या करना है। आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान करेंगे। शहर में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। विकास भी तिगुने रफ्तार से होगा। भाजपा का ⏭शेष पेज 6 पर

मंजूषा भगत ने कहा- काम करके दिखाऊंगी

अंबिकापुर। नगर निगम चुनाव में एकतरफा जीत हासिल करने वाली भाजपा प्रत्याशी मंजूषा भगत का कहना है कि यह जीत मंजूषा भगत की नहीं बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं और संगठन की जीत है। जिस दिन मैं जनता से किए वादों को पूरा करके और जनता के लिए काम करके दिखाउंगी उसी ⏭शेष पेज 6 पर

लिखेंगे विकास की नई गाथाः रामनरेश राय

बैकुण्ठपुर। एमसीबी जिले के नगर पालिक निगम चिरमिरी में भाजपा के महापौर प्रत्याशी रामनरेश राय ने जीत दर्ज कर ली है। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि यह जीत क्षेत्र की जनता, भाजपा के हर कार्यकर्ता, क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की मेहनत का परिणाम है। यह ⏭शेष पेज 6 पर

मधुसूदन बोले- करेंगे हर वादा पूरा

राजनांदगांव। नगर निगम में महापौर पद हेतु एतिहासिक जीत दर्ज करने वाले भाजपा नेता मधुसूदन यादव ने कहा कि यह जीत उनकी नहीं, बल्कि राजनांदगांव की जनता की जीत है, जिन्होंने अपना विश्वास उन पर जताया। श्री यादव ने कहा कि जनता ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, वह पूरी जिम्मेदारी के साथ ⏭शेष पेज 6 पर

अटल विश्वास पत्र का हर वादा करेंगे पूराः अलका

दुर्ग। नव निर्वाचित महापौर अलका बाघमार ने कहा कि यह भाजपा और जनता जनार्दन की जीत है। जीत के लिए संगठन और पूरा शीर्ष नेतृत्व डटा रहा, इसलिए यह संगठन की जीत है। घोषणा पत्र के रूप में अटल विश्वास पत्र जारी किया गया था, इसमें शामिल सभी घोषणाएं पूरी करेंगे। भाजपा जो कहती है वह ⏭शेष पेज 6 पर

भारी पड़ा भाजपा का 1 साल : संजय

जगदलपुर। महापौर निर्वाचित होने के बाद भाजपा के संजय पाण्डेय ने मतगणना स्थल पर पत्रकारों से चर्चा में कहा कि मेरी और पार्षदों की जीत सुशासन की जीत है। कांग्रेस के भूपेश सरकार के 5 साल पर भाजपा के मुख्यमंत्री साय का 1 साल भारी पड़ा। यही कारण है कि लोगों ने भाजपा पर विश्वास कर जीताया। उन्होंने कहा कि शहर विकास के लिए जितने भी वायदे हमने किया है उन सभी को पूरा करेंगे। सबसे प्रमुख प्राथमिकता स्वच्छता की रहेगी। शहर ⏭शेष पेज 6 पर

15- FEB- K&C- MAIN- Pg- 4 FULL CHUNAV_Layout 1 2/16/2025 12:50 AM Page 1

ग्रामीण/शहरी रणभूमि

कुल नगर पंचायत	भाजपा	कांग्रेस	निर्दलीय (बसपा-1)
114	81	22	11

जीत का जश्न

नगर पंचायत में इनकी जीत

1. बिल्हा - वंदना जेंड्रे (भाजपा)
2. कोटा - सरोजनी साहू भाजपा
3. मल्लार- भाजपा
4. मरवाही - मधु गुप्ता (कांग्रेस)
5. पथरिया- हुलसी वैष्णव भाजपा
6. सरगांव - (भाजपा)
7. बरेला - भाजपा
8. जरहागांव - भाजपा
9. खरौद - भाजपा
10 . शिवरीनारायण- भाजपा
11. बलौदाबाजार - गोपी साहू (कांग्रेस)
12. सारागांव - छवि सूर्यवंशी (कांग्रेस)
13. राहौद -प्रतिभा शैल कश्यप (भाजपा)
14 . नवागढ़ - अर्चना राजकुमार देवांगन (भाजपा)
15. नरियारा - राधिका सहगल (निर्दलीय)
16. पामगढ़ - गौरी छोटू जांघड़े (बसपा)
17. नयाबाराद्वार- भाजपा
18. अड़भार- कृष्ण कुमार रात्रे कांग्रेस
19. जैजैपुर- बलराम कंडरा (निर्दलीय)
20. चंद्रपुर- भाजपा
21. डभरा- दीपक साहू (भाजपा)
22. पाली- भाजपा
23. खुरीकला- भाजपा
24. पुसौर- भाजपा
25. किरोड़ीमल नगर- हरिकिशोर चंद्रा कांग्रेस
26. घरघोड़ा- सिल्लू चौधरी (निर्दलीय)
27. धरमजयगढ़- अनिल सरका भाजपा
28. लैलुंगा - भाजपा
29. बरमकेला- सत्यभामा नायक (कांग्रेस)
30. सरिया - कमलेश अग्रवाल (भाजपा)
31. बिलईगढ़ -दामोदर दुबे (निर्दलीय)
32. भटगांव- विक्रम कुर्रे (भाजपा)
33. सरसींवा- गुलेचन (भाजपा)
34. पवनी- कुलदीप साहू (भाजपा)
35. विश्रामपुर- भाजपा
36. जरही- पुरन राजवाड़े भाजपा
37. भटगांव- परमेश्वरी राजवाड़े (भाजपा)
38. प्रतापपुर- मानती सिंह (भाजपा)
39. राजपुर- धरम सिंह (भाजपा)
40. कुसमी- राजेंद्र भगत (कांग्रेस)
41. वाड्रफनगर- मान सिंह (भाजपा)
42. लखनपुर- भाजपा
43. सीतापुर- प्रेमदान कुजूर कांग्रेस
44. पटना- गायत्री सिंह (भाजपा)
45. झगराखंड- रीमा यादव (कांग्रेस)
46. खोंगापानी- ललिता यादव कांग्रेस
47. नई लेदरी- भाजपा
48. जनकपुर - भाजपा
49. कुनकुरी - विनय सिंह (कांग्रेस)
50. बगीचा- भाजपा
51. पत्थलगांव- संगीता सिंह (भाजपा)
52. कोतबा- हितेंद्र सिंह कांग्रेस
53. कुरा-भाजपा
54. माना कैम्प- भाजपा
55. खरोरा- भाजपा
56. समोदा - भाजपा
57. चंदखुरी-भाजपा
58. राजिम - भाजपा
59. फिंगेश्वर- राजेंद सूर्यवंशी कांग्रेस
60. छुरा-भाजपा
61 कोपरा-भाजपा
62. देवभोग- कांग्रेस
63. पलारी- गोपी साहू (कांग्रेस)
64. लवन- शिवमंगल चौहान (भाजपा)
65. कसडोल- नागेश्वर साहू (भाजपा)
66. टुंडरा- छतराम साहू (भाजपा)
67. रोहांसी - नंदेश्वर साहू (कांग्रेस)
68. तुमगांव - बलराम साहू निर्दलीय
69. बसना- खुशबू अग्रवाल भाजपा (निर्विरोध)
70. पिथौरा- देवेश निषाद भाजपा
71. आमदी ज्योति साहू भाजपा
72. कुरुद- ज्योति भानू चंद्राकर भाजपा
73. भखारा - ज्योति जैन (भाजपा)
74 मगरलोड- लीलेश सुरेश साहू (कांग्रेस)
75 नगरी- भाजपा
76 . धमधा- श्वेता प्रशांत अग्रवाल (भाजपा)
77 पाटन- योगेश भाले (भाजपा)
78 उतई - सरस्वती साहू भाजपा
79 डौंडी - मोहतीन चौखा भाजपा
80 अर्जुंदा- प्रणेश जैन निर्दलीय
81 डौंडीलोहरा- लाल निवेंद्र सिंह भाजपा
82. गुंडरदेही- प्रमोद जैन भाजपा
83. गुरुर- प्रदीप साहू भाजपा
84. चिखलाकसा- कुंती देवांगन भाजपा
85. बेरला - विशालराज देशलहरा (भाजपा)
86. साजा - हिमांशु वर्मा (भाजपा)
87. थानखम्हरिया- अनिता चंदन अग्रवाल (भाजपा)
88. देवकर- सुरेश सिहोर (निर्दलीय)
89. परपोड़ी- डेशुराम साहू (भाजपा)
90. नवागढ़ - सिद्धांत चौहान (निर्दलीय)
91. दाढ़ी- भारती सूरज साहू (भाजपा)
92. भिमौरी- संदीप परगनिहा (भाजपा)
93. कुसमी- चंद्रप्रकाश साहू (कांग्रेस)
94. डोंगरगांव- अंजू त्रिपाठी भाजपा
95. छुरिया - अजय पटेल भाजपा
96. लाल बहादुर नगर- देवेंद्र साहू भाजपा
97. गंडई- टाकेश्वर साह कांग्रेस
98. छुईखदान- नम्रता वैष्णव कांग्रेस
99. अंबागढ़ चौकी- अनिल मानिकपुरी (निर्दलीय)
100. पिपरिया- घुरवा राम साहू (भाजपा)
101. पांडातराई- सरिता सोनी (भाजपा)
102. बोड़ला- विजय पाटिल (भाजपा)
103 सहसपुर लोहारा- संतोष मिश्रा (भाजपा)
104 इंदौरी- भाजपा
105 बस्तर - देवश्री भद्दे कांग्रेस
106 केशकाल- निर्दलीय
107 फरसगांव - भाजपा
108 गीदम - रजनीश सुराना (भाजपा)
109 बारसूर - सुभद्रा नेगी (भाजपा)
110 दोरनापार - राधा नायक (भाजपा)
111 चरामा -मुनेश्वर नागराज कांग्रेस
112 भानुप्रतापुर- निखिल सिंह राठौर (भाजपा)
113 अंतागढ़- भाजपा
114 पखांजूर- भाजपा

भाजपा में छाई निराशा

झगराखांड नगर पंचायत में कांग्रेस की रीमा यादव ने चंपा जायसवाल को 44 वोट से हराया

भिलाई। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के नगर पंचायत झगराखांड का चुनाव भी खासी रोचक रहा। यहां कांग्रेस की रीमा यादव ने भाजपा की चंपा यादव को चुनाव हरा दिया है। बता दें कि चंपा जायसवाल स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की बहू हैं। भाजपा ने पूरी ताकत से इस क्षेत्र में चुनाव लड़ा, लेकिन वे अपनी प्रत्याशी को चुनाव नहीं जीता पाए। चंपा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी के भांजे उमेश जायसवाल की पत्नी हैं। इस सीट को कुनकुरी के बाद हाई प्रोफाइल सीट माना जा रहा है। भाजपा सहित स्वास्थ्य मंत्री की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी।

धमतरी जिले की तीन नगर पंचायत ऐसी, जहां जीतने वाली तीन अध्यक्षों के नाम ज्योति

114 नगर पंचायतों में से 81 स्थानों पर खिला कमल, महज 22 सीटों पर पंजे को सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर पंचायत चुनाव में भाजपा ने इतिहास रच दिया है। छत्तीसगढ़ के इतिहास में संभवत: पहली बार 71 फीसदी सीटों पर भाजपा के प्रत्याशियों ने कुर्सी हथिया ली है। इतना ही नहीं जो 10 निर्दलीय जीतकर आए हैं, उनमें भी करीब 6 भाजपा समर्थित हैं। एक सीट बसपा ने जीती है। बसपा ने पामगढ़ सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। इस प्रकार भाजपा की यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक मानी जा रही है। भाजपा का प्रदर्शन ग्रामीण क्षेत्रों में इतना बेहतर पहले नहीं रहा है।

हालांकि राज्य में जिसकी सरकार रहती है, उसका प्रभाव रहता है, लेकिन इस चुनाव में भाजपा ने हर बार से ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया है। लोगों ने भाजपा प्रत्याशियों की बातों पर भरोसा किया है। वहीं कांग्रेस महज 22 सीटों पर सिमट गई हैं। एक सीट तो ऐसे भी रही है, जहां भाजपा की प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। बसना सीट पर खुशबू अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। वोटिंग से पहले ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी ने चुनाव से हटने का फैसला लिया। शनिवार को हुई मतगणना में भाजपा के प्रत्याशियों ने शुरू से ही बढ़त बनाई रखी। यह बढ़त अंत तक बनी रही। वहीं जिन सीटों पर कांग्रेस जीता, वहां भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली।

दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर जैसे जिलों में सारी नगर पंचायत भाजपा के कब्जे में

मतगणना के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर जैसे जिलों के सारे नगर पंचायत भाजपा के कब्जे में आ गए हैं। राजधानी रायपुर के कूरा, माना कैम्प, खरोरा, समोदा, चंदखुरी, दुर्ग के धमधा, पाटन, उतई, बिलासपुर के बिल्हा, कोटा, मल्हार, मुंगेली के पथरिया, सरगांव, बरेला, जरहागांव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की है।

तीन नगर पंचायत ऐसे जहां ज्योति नाम की प्रत्याशी जीतीं

धमतरी जिले के तीन नगर पंचायत आमदी, कुरुद और भखारा में भाजपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की। खास बात यह है कि इन तीनों नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याशी का नाम ज्योति था। आमदी से ज्योति साहू, कुरुद से ज्योतिभानु चंद्राकर और भखारा से ज्योति जैन ने चुनाव जीता है। इस प्रकार ज्योति नाम इस बार धमतरी जिले के नगर पंचायत चुनाव के लिए लक्की साबित हुआ। प्रचार-प्रसार के दौरान राजनीतिक हल्कों में इस बात की चर्चा पूरे समय बनी रही। पहले दिन से माना जा रहा था तीनों प्रत्याशी चुनाव में जीत रहे है। परिणाम के बाद हुआ भी ऐसा ही।

सरगुजा में मिला-जुला तो बस्तर में भाजपा के प्रत्याशी ज्यादा जीते

नगर पंचायतों में सरगुजा क्षेत्र में कांग्रेस और भाजपा की सीटें लगभग बराबर गई हैं। सूरजपुर में जरूर भाजपा ने सभा 5 नगर पंचायतों में कब्जा जमाया है, लेकिन बलरामपुर-रामानुजगंज में दोनों पार्टियों के प्रत्याशी एक-एक नगर पंचायत में जीतने में सफल रहे हैं। सरगुजा में भी एक-एक सीट मिली है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी में कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों ने दो-दो सीटें जीती है। जशपुर में भी कुनकुरी और कोतबा में कांग्रेस ने जीत हासिल की है। बगीचा और पत्थलगांव सीट पर भाजपा के प्रत्याशी विजयी रहे हैं।

अंबागढ़ चौकी नगर पंचायत

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे अनिल ने बगावत कर जीती बाजी

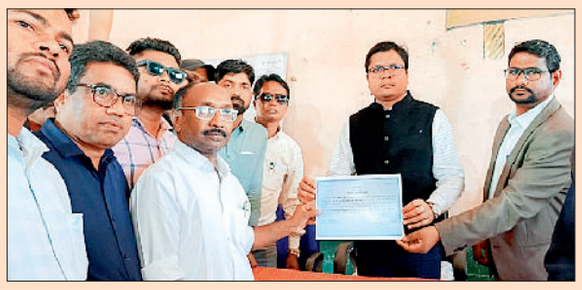

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस टिकट वितरण से नाराज मानपुर मोहला जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी ने पार्टी से इस्तीफा देकर अंबागढ़ चौकी नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर निर्दलीय चुनाव मैदान में अनिल मानिकपुरी ने शानदार जीत दर्ज किया है। अनिल मानिकपुरी को 2771 मत मिले जबकि भाजपा के गुलाब गोस्वामी को 2410 मत प्राप्त हुए। अनिल मानिकपुरी 361 वोटो से विजयी घोषित किये गए। पेशे से पत्रकार अनिल मानिकपुरी दूसरी बार नगर पंचायत अंबागढ़ चौका के अध्यक्ष बने है। छात्र राजनीति के दौर से अनिल मानिकपुरी क्षेत्र में सक्रिय रहे है। पहली बार भी अनिल मानिकपुरी निर्दलीय चुनाव जीता था और इस बार भी निर्दलीय जीतकर कीर्तिमान बनाया है। अनिल इसके पूर्व चौकी के पूर्व अध्यक्ष अशोक वर्मा को चुनाव में पराजित किया था। अशोक वर्मा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. विद्याचरण शुक्ल के समर्थक थे।

कांग्रेस की हार पर जमकर थिरके बलदेव, डॉ. विनय के खिलाफ निर्दलीय लड़ा चुनाव, कहा, तेरी हार मेरी जीत

टिकट नहीं मिला तो बागी हो गए थे ब्लाक अध्यक्ष बलदेव, लड़ा चुनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

दुश्मन का दुश्मन भी दोस्त होता है। यही कहावत चिरमिरी नगर पालिका निगम में देखने को मिली। वहां कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी डा. विनय जायसवाल की हार पर कांग्रेस के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष जमकर थिरके। बलदेव कांग्रेस के ही ब्लॉक अध्यक्ष थे। टिकट नहीं मिला तो बगावत कर मैदान में कूद गए। मकसद शायद जीत नहीं, अपनी ही पूर्व पार्टी की हार था। जब नतीजे आए तो डा. विनय की हार की घोषणा होते ही बलदेव ने जमकर डांस किया। समर्थकों से कहा उसकी हार में मेरी जीत है।

एमसीबी जिले के नगर पालिक निगम चिरमिरी के चुनाव में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी डॉ. विनय जायसवाल की हार के बाद यहां बगावत कर चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के ही ब्लॉक अध्यक्ष बलदेव दास जमकर थिरके। हालांकि वे स्वयं भी निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। यहां भाजपा के प्रत्याशी रामनरेश राय ने महापौर पद पर जीत दर्ज की है। चौकाने वाली बात यह रही कि कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी डॉ. जायसवाल के चुनाव में हारने का जश्न मनाते नजर आए। जैसे ही भाजपा प्रत्याशी रामनरेश राय की जीत की घोषणा हुई, बलदेव दास ने अपने समर्थकों के साथ जमकर ठुमके लगाए और उत्साह में झूमते दिखे। यह घटना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि बलदेव दास न केवल ब्लॉक अध्यक्ष थे, बल्कि लंबे समय से पार्टी संगठन से जुड़े हुए थे।

हार के बाद भी नाचे बलदेव दास

जीत हुई भाजपा के राम नरेश की

बलदेव को मिले महज 1976 वोट

बीजेपी के विजयी प्रत्याशी रामनरेश को 18 हजार 891 वोट मिले हैं। वहीं डा. विनय जायसवाल को 13 हजार 199। वहीं निर्दलीय चुनाव लड़े बलदेव को महज 1976 वोट मिल सके। लेकिन माना जा रहा है कि ब्लाक अध्यक्ष के निर्दलीय चुनाव लड़ने से पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच संदेश अच्छा नहीं गया जिसका असर चुनाव पर पड़ा।

रायपुर निगम में ऐतिहासिक जीत, पहली बार भाजपा के 60 पार्षद जीते

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम चुनाव में इस बार भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने जहां रिकार्ड मतों से कांग्रेस प्रत्याशी दीप्ति दुबे को पराजित किया, वहीं 70 में से 60 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत हुई। कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ 7 सीटों पर ही पार्टी का परचम लहराने में कामयाब रहे। इसके अलावा 3 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की।

इस तरह रायपुर निगम चुनाव में पहली बार किसी पार्टी ने 90 प्रतिशत सीटों पर कब्जा किया है, वहीं मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी कांग्रेस मात्र 7 सीटों पर ही सिमटकर रह गई। इस चुनाव में निगम के पूर्व महापौर एजाज ढेबर को भी हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा प्रत्याशी अमर गिदवानी ने उन्हें 1526 वोटों से करारी शिकस्त दी है। महापौर सहित कांग्रेस की यह करारी हार बताती है कि इस बार राजधानी में परिवर्तन की लहर थी। मतदाता पूर्व कांग्रेस सरकार के 15 साल के कार्यकाल से ऊब चुकी थी, जिसके कारण मतदाताओं ने अपने वोटों से पार्टी को नकार कर भाजपा पर पुनः विश्वास जताया है। नगर निगम चुनाव की मतगणना शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सेजबहार स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज स्ट्रांग रूम में की गई। मतगणना सुबह 9 बजे डाकमत पत्रों की गिनती से शुरू हुई। इसके बाद ईवीएम मशीनों के मतों की गिनती की गई, जो दोपहर करीब 3 बजे तक चली। जैसे-जैसे गिनती के राउंड लगाए जा रहे थे, वैसे-वैसे मतों की गिनती के रुझान भी आने लगे थे। हालांकि पार्षद पद के परिणाम दोपहर 12 बजे से ही आने शुरू हो गए थे। जैसे-जैसे परिणाम आ रहे थे, वैसे-वैसे जीतने वाले प्रत्याशियों को जीत के प्रमाणपत्र भी निर्वाचन अधिकारियों द्वारा सौंपे जा रहे थे।

पूर्व महापौर एजाज ढेबर भी हारे चुनाव

3 सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी का कब्जा

चुनाव में इस बार निर्दलीय प्रत्याशियों का भी जोर नहीं दिखा, जिसके कारण 70 सीटों में सिर्फ 3 सीट पर ही निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। इनमें महात्मा गांधी वार्ड 8 से सावित्री धीवर, वामनराम लाखे वार्ड 66 से कृष्णा सोनकर उर्फ बब्बी ने जीत हासिल की है। पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड 34 से निर्दलीय प्रत्याशी आकाश तिवारी ने जीत हासिल की है। वे पहले कांग्रेस से इसी सीट से चुनाव जीत चुके हैं। इस बार पार्टी से उन्हें टिकट नहीं मिला, जिसके कारण वे पार्टी से बगावत करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की है।

सात प्रत्याशियों ने बचाई कांग्रेस की लाज

रायपुर निगम चुनाव में इस बार कांग्रेस का सुपड़ा साफ होते-होते बच गया। कांग्रेस के सात प्रत्याशियों ने सात सीट पर जीत हासिल कर पार्टी की लाज बचा ली। जीत हासिल करने वाले प्रत्याशियों में पूर्व महापौर एजाज ढेबर की पत्नी अर्जुमन ढेबर के साथ वीर सावरकर वार्ड से संदीप साहू, सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड से दीप मनीराम साहू, शहीद मनमोहन सिंह बत्रा वार्ड से रोनिता प्रकाश जगत, हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड से शेख मुशीर, लालबहादुर शास्त्री वार्ड से रेणु जयंत साहू तथा महामाया मंदिर वार्ड से जयश्री नायक शामिल हैं।

बिलासपुर
रविवार 16 फरवरी 2025
फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 24, अंक : 325
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 33.4
न्यून. 16.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

महाकुंभ में फिर आग, सेक्टर 18, 19 के कई पंडाल खाक

प्रयागराज। प्रयागराज, यूपी में चल रहे महाकुंभ मेले के सेक्टर 18 और 19 के बीच शनिवार को कई पंडालो में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं।

फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। साथ ही आग लगने की वजह का भी अभी तक पता नहीं चल सका है। बताते चलें कि इससे पहले भी महाकुंभ मेला क्षेत्र के अरैल की ओर पड़ने वाले सेक्टर 23 में 9 फरवरी की (रविवार) रात आग लग गई थी। घटना के बाद मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने तुरंत ही आग पर काबू पा लिया था। आग लगने की वजह गैस सिलेंडर को बताया जा रहा था। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, महाराजा भोग नाम के खान-पान की दुकान में आग लगी थी, जिसने कई पंडालों को चपेट में ले लिया था। 9 फरवरी से दो दिन पहले भी महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना सामने आई थी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़, 15 लोगों की मौत

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ मच गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना रात 9:55 बजे मिली, जिसके बाद रेलवे प्रशासन और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। स्थिति कंट्रोल में है। घटना में 15 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लोग घायल हो गए हैं।

घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। एलएनजेपी अस्पताल में कुल 15 लोगों की मौत हुई है। जिसमें 11 महिलाएं, दो पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं। कुछ लोगों को लेडी हार्डिंग अस्पताल में लाया गया है। वहीं इस मामले पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और रेल मंत्री का बयान सामने आया है। घटना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर हुई। कॉल रात 21:55-21:56 बजे मिली। मौके पर कुल चार दमकल गाड़ियां भेजी गईं।

प्रयागराज जाने वाली दो ट्रेनों के रद्द होने के कारण मची अफरा-तफरी, जांच के आदेश

प्लेटफार्म नंबर 14 और 15 पर हुई घटना

सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज जाने वाली दो ट्रेनों के रद्द होने के कारण स्टेशन पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। अचानक हुई ट्रेन कैंसिलेशन की घोषणा के बाद यात्री घबरा गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति बन गई। घटना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 14 और 15 पर हुई है। इन दोनों प्लेटफार्म से प्रयागराज के लिए ट्रेन संचालित होती है। भगदड़ में कई यात्रियों के घायल होने की खबर है, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। रेलवे स्टेशन पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं और राहत कार्य जारी है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से शांत रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

रेलवे प्रशासन पर उठने लगे सवाल

रेलवे अधिकारी इस पूरी घटना की जांच कर रहे हैं कि ट्रेनें क्यों रद्द की गईं और क्या पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई थीं या नहीं। प्रभावित यात्रियों के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किए जा सकते हैं। इस घटना को लेकर यात्रियों में नाराजगी देखी जा रही है और रेलवे प्रशासन पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं इस मामले में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट साझा किया है। उन्होंने कहा कि स्थिति काबू में है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

क्रिप्टो धोखाधड़ी, सीबीआई के 11 स्थानों पर छापे

नई दिल्ली। सीबीआई ने स्वयं को सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को ठगने के आरोप में कथित साइबर अपराधियों के खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में 11 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 1.08 करोड़ रुपए की नकद राशि जब्त की।

कार और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर, चार की मौत

बस्ती। बस्ती जिले में बेनीपुर गांव के पास कार ने एक ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। इससे कार में सवार चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अयोध्या जिले के निवासी रोहित (27), गोंडा जिले के निवासी पवन (24), बस्ती जिले के निवासी भाई मोनू (22) और सोमनाथ (24) के रूप में की गई है। गौर-बभनान मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने देर रात करीब साढ़े 11 बजे ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी।

यूपी सड़क हादसे में कोरबावासी बोलेरो में थे सवार

बस से टकराई बोलेरो, महाकुंभ जा रहे 10 श्रद्धालुओं की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

यूपी के प्रयागराज जिले में यमुना नगर के मेजा थाना अंतर्गत प्रयागराज-मीरजापुर राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात बस और बोलेरो की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में बोलेरो सवार 10 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के कोरबा के रहवासी थे। वे महाकुंभ में स्नान करने आ रहे थे।

महाकुंभ में स्नान करने प्रयागराज जा रहे कोरबा के 10 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई है। घटना 15 फरवरी की आधी रात क़रीब एक बजे ग्राम मानपुर थाना माजा, उत्तर प्रदेश की है। सभी मृतक कोरबा जिले के दर्री थाना क्षेत्र के रहने वाले थे और बोलेरो वाहन में सवार होकर प्रयागराज जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत कलमीडुग्गू निवासी 10 लोग बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 11 बी 4202 में सवार होकर महाकुंभ में गंगा स्नान करने 14 फरवरी की शाम को दर्री से प्रयागराज के लिए रवाना हुए थे। सभी श्रद्धालु 15 फरवरी की रात करीब एक बजे उत्तर प्रदेश के जिला माजा थाना मानपुर के पास पहुंचे थे। तभी उनकी तेज रफ्तार बोलेरो प्रयागराज से वापस मध्यप्रदेश जा रही बस क्रमांक एमपी 07 एफ ए 8888 से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और बोलेरो पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफ़री की स्थिति निर्मित हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची लेकिन तब तक घटनास्थल पर ही बोलेरो में सवार लोगों की मौत हो चुकी थी। ⏭ शेष पेज 6 पर

आधी रात हुआ हादसा, बोलेरो के उड़े परखच्चे

सभी मृतक दर्री कोरबा के निवासी

हादसे में मारे गए सभी मृतक दर्री थाना के कलमीडुग्गु निवासी थे। घटना के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने ने सभी मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। मृतक के परिजन खबर मिलते ही घटनास्थल के लिए रवाना हो गए थे। जानकारी के अनुसार मृतकों के शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया है। कल सभी का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने जताया दुख

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस हृदय विदारक घटना पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। साथ ही उन्होंने कोरबा जिला प्रशासन को स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

प्रयागराज महाकुंभ से वापस मध्यप्रदेश जा रही बस से हुई जोरदार टक्कर

सभी के शव पोस्टमॉर्टम हाउस में रखे गए

सभी के शव पोस्टमॉर्टम हाउस में रखे हैं। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजनों आने के बाद ही पोस्टमार्टम होगा। पीएम के बाद शवों को सौंप दिया जाएगा।

इनकी हो गई मौत

मृतकों में दर्री थाना क्षेत्र के कलमी डुग्गु निवासी ईश्वरी प्रसाद जायसवाल, संतोष सोनी, भागीरथी जायसवाल, सोमनाथ, अजय बंजारे, सौरभ कुमार सोनी, गंगा दास वर्मा, शिव राजपूत, दीपक वर्मा, राजू साहू शामिल हैं। हादसे में बस सवार एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं।

इधर, खड़े ट्रक से टकराई वैन, 4 की मौत

महाकुंभ से तीर्थयात्रियों को ला रही पर्यटक वैन गुजरात के दाहोद जिले में राजमार्ग पर खड़े एक ट्रक से टकरा गई। इससे चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान अंकलेश्वर निवासी देवराज नकुम (49) और उनकी पत्नी जासुबा (47) तथा धोलका निवासी सिद्धराज डामी (32) और रमेश गोस्वामी (47) के रूप में हुई है। दुर्घटना इंदौर-अहमदाबाद राजमार्ग पर लिमखेड़ा के पास देर रात करीब सवा दो बजे हुई। मारे गए लोग भरूच जिले के अंकलेश्वर और अहमदाबाद जिले के धोलका के निवासी थे। तीर्थयात्री महाकुंभ से लौट रहे थे। एक महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

दो मोटरसाइकिल में भिड़ंत, तीन की मौत चार की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

बालोद में ग्राम आड़ेझर के पास सड़क हादसा

एक बच्चा और महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से हो गए घायल

ग्राम आड़ेझर के पास दो बाइक की आपस में टक्कर हो जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं एक बच्चा और महिला सहित कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम बालोद जिले के महामाया थाना अंतर्गत मनकुंवर–महामाया मार्ग पर ग्राम आड़ेझर के पास दो मोटर साइकिल की आपस में टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में ग्राम ठाकुर पारा कोटागांव निवासी भूपत पिता चेतन चुरेन्द्र (36), निसंग्राम कोला पिता प्रताप सिंह कोला (29), ग्राम नारंगसुर निवासी छबि लाल दर्रो पिता रिसाऊ राम (35) की मौत हो गई।

वहीं, इस सड़क दुर्घटना के बाद अन्य घायलों को उपचार के लिए दल्ली राजहरा अस्पताल ले जाया गया। महामाया पुलिस मामले की जांच करवाई में जुट गई है।

केजरीवाल पर गिरी एक और गाज, शीश महल की होगी जांच

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सीवीसी के फैसले से टेंशन में आप

दिल्ली चुनाव में मिली करारी हार के बाद दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है।

आप के कई नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के जांच शुरू हो चुके हैं। अब यह गाज अरविंद केजरीवाल पर भी गिर गई है। सीवीसी ने 6 फ्लैगस्टाफ बंगले के नवीनीकरण की जांच के आदेश दे दिए हैं। केजरीवाल पर आरोप है कि 40,000 वर्ग गज में फैली इस भवन के निर्माण में मानदंडों का उल्लंघन किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आवास पर सीपीडब्ल्यूडी द्वारा रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद केंद्रीय सतर्कता आयोग ने शीश ⏭ शेष पेज 6 पर

चुनाव में बड़ा मुद्दा बनकर उभरा शीश महल : दिल्ली में आम आदमी पार्टी चुनाव हारी, इसके कई बड़े कारणों में से एक कारण शीश महल भी रहा। दिल्ली में बीजेपी की जीत के बाद पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि भ्रष्टाचारियों को एक-एक रुपये का हिसाब देना होगा। तभी इशारा मिल गया था कि बीजेपी की सरकार आने के साथ ही भ्रष्टाचार पर गहनता से जांच होने वाली है। अब इसकी शुरुआत होती दिख रही है। अगर ये भ्रष्टाचार साबित होते हैं, तो आप के कई बड़े नेताओं को फिर से जेल की हवा खानी पड़ सकती है।

आतंकी गतिविधि में शामिल 3 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में एलजी सिन्हा ने की कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर सरकार के तीन कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया। इसमें एक पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और एक वन विभाग में अर्दली शामिल है। इन पर आरोप है कि यह तीनों कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों में शामिल थे। यह हथियारों की व्यवस्था करना और आतंकी हमलों के लिए लक्ष्य प्रदान करना और घाटी में हिंसक विरोध प्रदर्शन को बढ़ावा देते थे। ये सब पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बैठे आकाओं के इशारे पर काम किया करते थे। बर्खास्त किए गए तीन कर्मचारियों में- पुलिस कांस्टेबल फिरदौस अहमद भट , शिक्षक मोहम्मद अशरफ भट और वन विभाग में अर्दली निसार अहमद खान शामिल है। इनको भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 2 (सी) के तहत बर्खास्त किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा इन दिनों चर्चा में है। इसके कई कारण हैं। पीएम मोदी की यात्रा से ठीक पहले अवैध प्रवासियों को अमेरिका ने जिस तरह हथकड़ियों में जकड़कर भारत भेजा, वह जहां भारत के लिए अपमानित करने वाला था, वहीं भारत में अमेरिका के इस कृत्य की काफी आलोचना हुई। यह माना गया कि पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ वार्ता में यूएस को इस बारे में भारत की नाराजगी से अवगत कराएंगे। पीएम मोदी के साथ वार्ता से चंद घंटे पहले अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगाने का ऐलान किया और वार्ता के बाद संयुक्त प्रेसवार्ता में मोदी के सामने ही ट्रंप ने कहा कि इस टैरिफ से भारत को भी छूट नहीं होगी। ट्रंप व मोदी की कथित दोस्ती के बीच अमेरिका का व्यवहार भारत के अनुकूल यथोचित नहीं कहा जा सकता है। हर देश को अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन का हक है और आयात पर टैरिफ लगाने का अधिकार है, लेकिन सबकुछ नियम व मर्यादा में होना चाहिए। मेहमान के सामने भी सम्मान का पालन होना चाहिए। जवाबी टैरिफ से विश्व में नया ट्रेड वार छिड़ने की संभावना है। शेयर बाजार दहशत में है। अपने व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए भारत पर आयात बढ़ाने का दबाव बढ़ाना भी उचित नहीं है। इन्हीं सब मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

कुटिल ट्रेड-कूटनीति की राह पर ट्रंप

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य प्रतिष्ठित कूटनीतिक वार्ता संपन्न हो गई। इस समस्त कूटनीतिक वार्ता का निचोड़ निकालें तो अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप की कुटील कूटनीति स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आ जाती है। कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संधि से अमेरिका को पृथक कर लेने वाली ट्रंप की हुकूमत आखिरकार किस तरह से जॉर्ज वाशिंगटन और अब्राहम लिंकन के ऐतिहासिक तौर पर महान रहे अमेरिका को एक दफा फिर से महान बनाने की परिकल्पना में डुबकियां लगा रही है।

रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई कूटनीतिक वार्ता के तत्पश्चात प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि भारत और अमेरिका के मध्य विद्यमान 45 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को घटाने के लिए अमेरिका द्वारा भारत को एफ-35 फाइटर जेट सहित अधिक तेल, गैस और सैन्य हार्डवेयर विक्रय किए जाएंगे। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका द्वारा भारत को कई अरब डॉलर की रक्षा सामग्री की बिक्री की जाएगी और भारत को एफ-35 फाइटर जेट बेचने के तौर-तरीके अमेरिका तलाश करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका द्वारा जारी संयुक्त बयान में भारत द्वारा एफ-35 फाइटर जेट की खरीदारी के विषय में कहीं कोई भी उल्लेख नहीं है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने फरमाया कि एफ-35 फाइटर जेट बेचने की अमेरिका द्वारा भारत को पेशकश की गई है। भारत के समक्ष रूस में निर्मित एसयू-57 फाइटर जेट को खरीदने का सशक्त विकल्प पहले से ही विद्यमान है, जोकि अमेरिका में निर्मित एफ-35 लड़ाकू विमान के मुकाबले तकरीबन आधी कीमत में भारत के लिए उपलब्ध है। एसयू 57 फाइटर जेट सैन्य तकनीकी दृष्टि से एफ-35 फाइटर जेट से कहीं अधिक बेहतर करार दिया जाता है। अमेरिका के एफ-35 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 6000 करोड़ रुपये से लेकर 8000 करोड़ रुपये तक है, जबकि रूस के एसयू-57 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 3000 करोड़ से लेकर 4000 करोड़ रुपये तक है। रूस की पुतिन सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पेशकश यह है कि एसयू-57 फाइटर जेट को भारत में ही निर्मित करने के लिए रूस अपनी वैज्ञानिक तकनीक बाकायदा उपलब्ध कराएगा। जबकि अमेरिकन ट्रंप हुकूमत एफ-35 फाइटर जेट के निर्माण की तकनीक की अनुमति भारत को प्रदान करने के लिए तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार संतुलन अभी तक भारत के पक्ष में रहा है और भारत लगभग दो लाख करोड़ रुपयों की सामग्री का अमेरिका से आयात करता है और तकरीबन 4 लाख करोड़ के सामान का निर्यात करता है। इस तरह तकरीबन 2 लाख करोड़ रुपये का व्यापार मुनाफा भारत के पक्ष में रहता है।

रिसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा अमेरिका

नरेंद्र मोदी से मुलाकात के एक दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि अमेरिकन प्रशासन प्रत्येक देश पर रिसिप्रोकल टैरिफ आयाद करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकन माल पर आयद अनुचित टैरिफ को घटाने की घोषणा की है, जो कि भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान की पहुंच को कम कर देता है। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि भारत जो भी टैरिफ अमरीकी माल पर आयाद करेगा उसी अनुपात में अमेरिका भी उतना टैरिफ भारतीय माल पर भी आयाद कर देगा। वर्ष 2030 तक नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार को दो गुना कर देने की बात भी कही है। अमेरिका में अवैध तौर पर निवास कर रहे अप्रवासी भारतीयों के विषय में मोदी ने कहा कि इस संवेदनशील समस्या पर हम दोनों के खयालात एक समान ही रहे हैं और अमेरिका में अवैध रूप से निवास कर रहे, किसी भारतीय का सत्यापन हो जाता है तो उन्हें भारत वापस में लेने के लिए भारत पूरी तरह से तत्पर है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में बयान दिया था कि भारत सरकार द्वारा अमेरिकी सरकार से बात करके यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अवैध तौर पर अमेरिका में रह रहे भारतवासियों के साथ वापस भेजते समय कोई दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा, जिस तरह का दुर्व्यवहार हथकड़ी और बेड़ियां लगाकर अप्रवासी भारतवासियों के साथ किया जा चुका है।

अमानवीय व्यवहार पर आश्वासन नहीं

अमेरिका के अमानवीय व्यवहार पर मोदी सरकार की विपक्ष द्वारा कटु आलोचना की गई थी और भारत के आम नागरिकों में भी अमेरिका के विरुद्ध बहुत गुस्सा प्रकट हुआ था। दुर्भाग्य से भारच-अमेरीकी कूटनीतिक वार्ता में इस तरह का कोई भी आश्वासन प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा नरेंद्र मोदी को नहीं दिया गया। भारतीयों के लिए एच-वन बी वीजा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई स्पष्ट उल्लेख अमेरिका-भारत के साझा बयान में नहीं किया गया है। भारत में सन् 2008 में मुंबई पर अंजाम दिए गए आतंकवादी आक्रमण के साजिशकर्ता दहशतगर्द तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत में प्रत्यार्पित किए जाने की अनुमति देने के लिए मोदी ने ट्रंप को धन्यवाद अदा किया है। नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात पहली बार अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में वर्ष 2017 में हुई थी। इसके बाद दोनों राजनेताओं के मध्य एक बेहतरीन व्यक्तिगत दोस्ती विकसित हुई। अमेरिका के ह्यूस्टन नगर में हाउडी मोदी और भारत के अहमदाबाद नगर में नमस्ते ट्रंप के सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान यह दोस्ती और अधिक डंका बजा गई।

टैरिफ कटौती में भारत को रियायत नहीं

व्हाइट हाउस में विगत मुलाकात के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि आई मिस यू मिस्टर मोदी एट ऑल। सर्वविदित है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राजनेताओं की व्यक्तिगत दोस्ती से कहीं ऊपर उठकर देशों के राष्ट्रीय हित कारगर तौर पर शक्तिशाली होते हैं। भारत के लिए टैरिफ कटौती के प्रश्न पर प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा भारत को कदाचित कोई रियायत प्रदान नहीं की गई है। वर्ष 2021 तक भारत वस्तुतः अमेरिकन तेल के लिए एक बड़ा बाजार था। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में भारत ने बड़े पैमाने पर रूस से बाजार की तुलना में अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात करना प्रारंभ किया। प्रेसिडेंट ट्रंप के तमाम कूटनीतिक दबाव के बावजूद भारत भविष्य में तय करेगा कि उसको अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदना है, यह तो तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होगा। ईरान के साथ भारत के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक तौर पर प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। ईरान के चाबहार बंदरगाह का निर्माण भारत कर रहा है। चाबहार बंदरगाह वस्तुतः ईरान और अफगानिस्तान के माध्यम से मध्य एशिया के साथ भारत की त्वरित कनेक्टिविटी कायम करने के लिए भारत की सामरिक रणनीति का हिस्सा है। प्रेसिडेंट ट्रंप की कूटनीति में ईरान जबरदस्त निशाने पर रहा है। क्या भारत फिर से अमेरिका ट्रंप की कूटनीति के कुटिल दबाव में ईरान से तेल का आयात करना बंद कर देगा और चाबहार बंदरगाह का निर्माण कार्य रोक देगा, कदाचित नहीं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कदापि नहीं कर सकेगा? भारत ने अमेरिका के जबरदस्त कूटनीतिक दबाव बावजूद रूस से तेल आयात करना कदाचित बंद नहीं किया, बल्कि आयातित तेल की मात्रा और अधिक बढ़ा दी गई है। क्वॉड के रणनीतिक मोर्चे पर भारत और अमेरिका सामरिक तौर पर साझेदार बने रहे हैं। क्वॉड मोर्चा वस्तुतः चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध ही निर्मित हुआ था, और इसमें ऑस्ट्रेलिया और जापान दूसरे दो प्रमुख देश भी शामिल रहे हैं। इस वर्ष क्वॉड का वार्षिक सम्मेलन भारत में आयोजित होना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेसिडेंट ट्रंप को शिरकत करने का निमंत्रण दिया जा सकता है। चीन के विस्तारवाद पर और लद्दाख में उत्पन्न हुए सैन्य तनाव के बाद भारत और चीन के संबंधों के विषय में प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि लद्दाख में रक्त रंजित सैन्य झड़प बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और भयानक थी और भारत-चीन सरहद पर घटित हुई सैन्य झड़प आगे फिर ना हो, मैं इसमें क्या मदद कर सकता हूं? उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भारत, रूस और अमेरिका एक साथ आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और चीन के मध्य शिथिल हुई ट्रेड वार डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसीडेंशियल दौर में एक बार फिर से तीव्र गति से परवान चढ़ सकती है। क्योंकि अमेरिका और चीन के मध्य व्यापार संतुलन में चीन का पलड़ा बहुत अत्यधिक भारी रहा है और अमेरिका-चीन व्यापार में अमेरिका का व्यापार घाटा तकरीबन 295 बिलियन डॉलर का है।

भारत से दोस्ती कायम रखने की ट्रंप से उम्मीद

भारत, मध्य पूर्व और यूरोपियन इकोनॉमिक कॉरिडोर पर प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि दुनिया में ऐतिहासिक रूप है। यह महान व्यापारिक मार्ग में से एक सिद्ध होगा, जिसके निर्माण में अमेरिका और भारत एक साथ काम करने के लिए सहमत हुए हैं। वस्तुतः चीन के विस्तार बात के विरुद्ध और ताइवान के हिफाजत करने के लिए भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के लिए एक विवशता है। अन्यथा सन् 1947 के बाद से ही जब से भारत आजाद हुआ और पाकिस्तान का निर्माण हुआ, अमेरिका सदैव पाकिस्तान का प्रबल पक्षधर बना रहा और पाकिस्तान को अपने नेतृत्व में सैन्य संधि सेंटो में भी शामिल किया था। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सैनिक सहायता को आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए गए। प्रेसिडेंट ट्रंप ने अपने प्रथम कार्यकाल में पाकिस्तान के वास्तविक चरित्र को किसी हद तक पहचाना था और अमेरिका ने पाकिस्तान से दुनियां बनाकर उसकी सैन्य सहायता को रोका था। न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर अंजाम दिए गए 9/11 के आतंकवादी आक्रमण के बाद भारत और अमेरिका निकट आए और वैश्विक जेहादी आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट हुए। अमेरिका के राष्ट्रीय हित की सही, उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रति अपनी दोस्ती को कायम बनाए रखेंगे।

चुनौतियों में कारोबार की नई संभावनाएं

द्विपक्षीय वार्ता

डॉ.जयंतीलाल भंडारी
वरिष्ठ अर्थशास्त्री

हाल ही में 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रणनीतिक रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निष्पक्ष, मुक्त, पारस्परिक व्यापार के लिए एक योजना के तहत आगे बढ़े हैं और यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अमेरिका अब भारत की ओर से बहुत ज्यादा टैरिफ वसूले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक समान टैरिफ से व्यापार असंतुलन की चिंताओं को कम करेगा। ट्रंप ने सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ यानी प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि जो देश अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाता है, उस पर अमेरिका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा। गौरतलब है कि द्विपक्षीय वार्ता में भारत और अमेरिका दोनों देशों ने व्यापार निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कारोबार तथा वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सहमति जताई है।

500 अरब डालर का लक्ष्य तय

दोनों देशों ने अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमेरिकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय बातचीत के दौरान भारत और अमेरिका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के तहत भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच हुई अत्यधिक उत्साहजनक और सकारात्मक द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बावजूद कारोबार के नए ऐतिहासिक अध्यायों की डगर आगे बढ़ने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। चूँकि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की बात लगातार कहते आए हैं। अब उनके द्वारा घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति से भारत के भी अधिक टैरिफ वसूली की सीमा में आने की आशंका है। भारत ने पहले से ही इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। यही कारण है कि भारत ने देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया।

भारत ने आयात शुल्क घटाए

एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही अब द्विपक्षीय वार्ता के आधारों पर दोनों देश एक-दूसरे के लिए उपयुक्त टैरिफ की डगर पर आगे बढ़ेंगे। निःसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमेरिका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए अमेरिका की आत्मनिर्भरता की डगर पर बढ़ना शुरू कर दिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जहां एक फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर एक्स्ट्रा 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमेरिका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है।

ट्रेड वार में भारत के लिए अवसर

यह ट्रेड वार भारत के लिए नए अवसर खोल सकता है। ऐसी अनुकूलता के बावजूद भी भारत के सामने नई द्विपक्षीय वार्ता से निर्मित चुनौतियों से निपटने की चिंताएं हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि व्हाइट हाउस की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ पर जारी एक फैक्ट्स शीट में कहा गया है कि अमेरिका जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर औसतन 5 फ़ीसदी टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाता है।

बराबर टैरिफ चाहते हैं ट्रंप

ट्रंप दोनों तरफ से बराबर टैरिफ चाहते हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि अगर ट्रंप प्रोडक्ट के ऊपर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, तो भारत पर अधिक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अमेरिका जो प्रोडक्ट भारत निर्यात करता है, वो कई प्रोडक्ट भारत अमेरिका को नहीं भेजता है। लेकिन अगर अमेरिका सेक्टर के तहत टैरिफ लगाता है, तो हो सकता है कि भारत को कुछ उत्पादों के निर्यात में मुश्किल का सामना करना पड़े । ऐसे में अमेरिका के रेसिप्रोकल टैक्स से काफी असर पड़ सकता है। बहुत सारे उत्पाद जैसे टेक्सटाइल और कृषि उत्पादों में भारत का आयात शुल्क ज़्यादा है, अगर अमेरिका भी वैसे आयात शुल्क उन्हीं सेक्टर के अलग-अलग प्रोडक्ट में लगाने लगे, तो भारत के लिए काफी मुश्किल हो जाएगी। रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत का निर्यात प्रभावित होगा। टैरिफ के अलावा अमेरिका ने द्विपक्षीय वार्ता में कहा है कि भारत को अमेरिका से ज्यादा तेल मंगाना होगा। ऐसे में इस समय सबसे अधिक तेल कम मूल्यों पर रूस से स्थानीय मुद्रा रूबल के भुगतान से प्राप्त हो रहा है, वह अधिक मात्रा में अमेरिका से लेने पर डॉलर में भुगतान करना होगा। चूंकि इस समय डॉलर की तुलना में रुपये का मूल्य अब तक के सबसे निचले स्तर पर है।

यूएस टैरिफ वार की दहशत में बाजार

अर्थव्यवस्था

शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

अमेरिका ने अब नया युद्ध छेड़ा है। अमेरिका को ग्रेट बनाने के लिए। टैरिफ वार। इसके लिए किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। मित्र राष्ट्र को भी नहीं। यानी भारत को भी नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता से कुछ ही घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा शुल्क) के प्रस्ताव पर मुहर लगाई और मोदी के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस संबोधन में भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ आयद संबंधी सवाल पूछने पर ट्रंप ने छूटते ही कहा कि भारत भी मुक्त नहीं है। अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ नियमों से वैश्विक स्तर पर ट्रेड वार के तेज होने की संभावना है। इससे जहां दुनिया के स्टॉक मार्केट वोलेटाइल हालत में है, वहीं भारत समेत अनेक देश के निर्यात प्रभावित होंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका का रेसिप्रोकल टैरिफ का फैसला चीन व कनाडा को अधिक प्रभावित करेगा, लेकिन हकीकत में विश्व के अनेक देशों पर असर पड़ेगा। अमेरिका में गत 20 जनवरी को सत्ता संभालने के दिन से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में कई किंतु-परंतु का दौर शुरू है। सबसे अधिक शेयर बाजार प्रभावित हो रहे हैं। बाजार उठापटक तेज है, शेयरों का गिरना जारी है। अच्छी कंपनियों के शेयर भी चपेट में हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट भी डर डर कर सरक रहा है।

शेयर बाजार में अनिश्चितता

अब रेसिप्रोकल टैरिफ के फैसले के बाद शेयर बाजारों के और अधिक दहशत में रहने की संभावना बढ़ गई है। यह दौर कब कैसे थमेगा, कहना मुश्किल है। अप्रैल से लागू होने वाले ट्रंप के रेसीप्रोकल टैरिफ का असर भारत, जापान व यूरोपीय यूनियन सहित कई देशों पर पड़ेगा। यूएस निर्यात पर भारत का हाई टैरिफ रेट औसतन 9.5 फीसदी है, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों पर केवल 3 फीसदी टैरिफ लगाता है। ऐसे में रेसीप्रोकल टैरिफ के चलते भारतीय निर्यातकों को अधिक शुल्क देना होगा। भारत के फूड प्रोडक्ट, सब्जियां, टेक्सटाइल और क्लॉथिंग सेक्टर के सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इलेक्ट्रिकल मशीनरी, रत्न और आभूषण, फार्मा प्रोडक्ट, ऑटो, केमिकल, वाहन, ईंधन, लोहा और स्टील जैसे उत्पाद भारत अमेरिका को निर्यात करता है। भारत और अमेरिका के ट्रेड रिलेशन्स काफी कॉम्लेक्स हैं। जवाबी टैरिफ के ऐलान के बाद कॉम्लीकेटेड होने के आसार बढ़ गए हैं। अभी भारत करीब 30 उत्पादों पर टैरिफ कम करने के बारे में सोच रहा है, साथ ही व्यापार संबंधी तनावों को कम करने के लिए अमेरिका से डिफेंस और एनर्जी उत्पादों का आयात बढ़ाएगा।

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक है। अमेरिकी आयात में भारत का योगदान 18 फीसदी है। 2021-24 में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अप्रैल-नवंबर 2024-25 में अमेरिका 82.52 अरब अमेरिकी डॉलर के आपसी व्यापार (52.89 अरब अमरीकी डॉलर का निर्यात, 29.63 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात और 23.26 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार अधिशेष) के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अभी करीब 38 अरब डॉलर व्यापार घाटा भारत के पक्ष में है। ट्रंप की जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा से भारत और अमेरिका के बीच अनिश्चित व्यापार माहौल उत्पन्न हो गया है। इसके बाद दोनों मुल्क व्यापार समझौतों को बढ़ावा देंगे।आपसी व्यापार समझौते की योजना से दोतरफा वाणिज्य को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा और अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता के बाद ट्रंप ने घोषणा की है कि भारत व्यापार घाटे को कम करने के लिए अमेरिका से अधिक तेल, गैस तथा सैन्य उपकरण खरीदेगा, हालांकि इस पर भारत अभी चुप है। आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जवाबी शुल्क विशिष्ट उत्पादों या समूचे क्षेत्रों पर लागू होगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) के मुताबिक, भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा तथा लक्षित कूटनीति के जरिये अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के बीच संतुलन बनाना होगा। एक सीमित तरजीही व्यापार समझौता पूर्ण पैमाने पर एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) की आवश्यकता के बिना शुल्क संबंधी चिंताओं को और कम कर सकता है। जवाबी शुल्क वास्तव में डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) के नियम के विरुद्ध हैं। जवाबी शुल्क एक अत्यधिक समस्याग्रस्त मुद्दा है, क्योंकि ऐसे कई कारक हैं जिन्हें अमेरिका अपने सीमा शुल्कों पर निर्णय लेते समय ध्यान में रखेगा। सीमा शुल्क उनमें से एक कारक है। जवाबी शुल्क लगाने से ट्रंप प्रशासन भारत को कृषि जैसे क्षेत्रों पर शुल्क कम करने के लिए मजबूर कर सकता है, अन्यथा अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर अधिक शुल्क लगा देगा। वैसे जीटीआरआई का मानना है कि अमेरिका के रेसीप्रोकल टैरिफ से भारत को अधिक नुकसान नहीं होगा। इसके पीछे तर्क है कि दोनों देशों के निर्यात पॉकेट में काफी अन्तर है। जो सामान भारत निर्यात करता है, वही सामान भारत अमेरिका से आयात नहीं करता है। तो अमेरिकी टैरिफ का फर्क नहीं पड़ेगा। भारत को होने वाले अमेरिकी निर्यात के 75 प्रतिशत मूल्य पर औसत शुल्क पांच प्रतिशत से कम है। इसके विपरीत, भारत को कपड़ा, परिधान तथा जूते जैसी कई श्रम-प्रधान वस्तुओं पर उच्च अमेरिकी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जो कई उत्पादों पर 15-35 प्रतिशत के बीच है। अमेरिका पहले ही इस्पात तथा एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा कर चुका है जो उसकी जवाबी शुल्क की कार्रवाई से परे है।

लहर नहीं सुनामी थी, निगमों से कांग्रेस का नामोंनिशान तक मिटा दिया

चुनाव विशेष

नगरीय निकाय चुनावों में जिस तरह से माहौल था उससे आम जनता को भी आभास हो चुका था कि नगर सरकार भाजपा की आने वाली है। आत्मविश्वास में जिस तरह से फर्क था, उससे भी यह पता लगाना आसान था। जहां भाजपा के बड़े नेता दावा कर रहे थे कि सभी नगर निगमों में पार्टी जीत हासिल करेगी, वहीं कांग्रेस के बड़े नेताओं के उम्मीद की सुई छह-सात नगर निगमों पर ही टिकी थी। जब नतीजे आये तो सभी को यह महसूस हुआ कि जिसे वे लहर समझ रहे थे, वो तो भाजपा की सुनामी थी जिसने नगरीय निकायों से कांग्रेस के अंतिम पदचिन्हों तक को हटा दिया।

शहरी सरकार के लिए इस अभूतपूर्व जनादेश के कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहले तो इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को श्रेय दिया जाना चाहिए। जगदलपुर से लेकर अंबिकापुर तक उन्होंने धुआंधार प्रचार किया और सभी निगमों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। एक साल के भीतर जिस तरह से उन्होंने मोदी की गारंटी को क्रियान्वित किया और जनादेश परब मनाया, इससे आम जनता का भरोसा दृढ़ हुआ और उन्होंने तय कर लिया कि डबल इंजन की इस सरकार में एक तीसरा इंजन जोड़ने का वक्त आ गया है।

विष्णु का सुशासन, यह टैगलाइन भी काम कर रहा है। जनता ने देखा कि भ्रष्टाचार पर साय सरकार ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। साफ पारदर्शी प्रशासन का सरकार का दावा जमीन में नजर आ रहा है। विष्णु देव साय की साफ, सरल छवि भी जीत का एक बड़ा कारण है। उनका अहंकार से मुक्त स्वभाव लोगों को भाता है यह ऐसा गुण है जो राजनीति में बेहद दुर्लभ है और कई बार अच्छी कार्यकुशलता के बावजूद केवल इसी कमी की वजह से जनता चुनावों में हेकड़ी निकाल देती है।

अक्सर चुनावी रणनीतिकार कहते हैं कि राजधानी के मतदाताओं के मूड से पूरे प्रदेश का चुनावी मूड तय होता है ऐसे में रायपुर पर नजर डालना जरूरी है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस को तबाह करने वाली सुनामी के केंद्र में रायपुर था और रायपुर में भी इसका सबसे ज्यादा असर दिखा, पूर्व महापौर एजाज ढेबर के वार्ड में। यहां उन्हें 15 सौ वोटों से हार मिली। इसका साफ मतलब है कि उन्हें बहुत से अल्पसंख्यक वोट भी नहीं मिले होंगे।

अब जब कांग्रेस नतीजों का मंथन करेगी तो पांच साल पहले की गई उस गलती पर जरूर पश्चाताप होगा जब महापौर का निर्वाचन अप्रत्यक्ष कर दिया गया था। संगठनात्मक रूप से कांग्रेस और भाजपा की चुनावी तैयारियां देखें तो बहुत फर्क नजर आता है। भाजपा ने विष्णु देव साय के नेतृत्व में एक संगठित चुनाव लड़ा। कांग्रेस के दिग्गज नेता बिखरे रहे और चुनावों के बीच में ही भविष्य के नेतृत्व के लिए भी चर्चा करते रहे, जनता के बीच गुटबाजी सामने आ चुकी थी।

भाजपा का माइक्रो मैनेजमेंट शानदार रहता है और इस बार भी दिखा। परिसीमन होने के बाद कांग्रेस को ज्यादा तैयारियां करनी थीं लेकिन ऐसा कुछ नजर नहीं आया। भाजपा ने बूथवार तैयारी की और इसका असर वार्डों में भी जीत के रूप में दिखा।

जब मुख्यमंत्री ने प्रेसवार्ता ली तो साल भर की कड़ी मेहनत की चमक उनकी आँखों में साफ नजर आ रही थी। भूपेश बघेल उन पर मीडिया में, सभाओं में हमले करते रहते हैं और जशपुर में उनके गृह जिले में भी नगरीय निकायों के चुनाव के दौरान उन्होंने ऐसा ही किया लेकिन अपने स्वभाव के अनुकूल वे शांत रहे। प्रेस वार्ता में किसी ने उनसे पूछा कि भूपेश बघेल को कांग्रेस ने राष्ट्रीय महासचिव बनाया है आप क्या सोचते हैं। इसके उत्तर में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव बनने की खुशी में उनकी विधानसभा के मतदाताओं ने उन्हें गिफ्ट दे दिया है। पाटन की ओर से जशपुर में अपने प्रतिद्वंदी के लिए जो सवाल भूपेश छोड़ आये थे, उसके जवाब के लिए पुख्ता समय चुनते हुए साय ने हिसाब बराबर कर दिया।

कांग्रेस के सबसे दुर्भेद्य गढ़ माने जाने वाले छत्तीसगढ़ में उनका गढ़ दरकने लगा है और आज नगरीय निकाय चुनावों में जो क्षति पहुंची है, उसकी पूर्ति के लिए कड़ी मेहनत पार्टी को करनी होगी। वहीं अब ट्रिपल इंजन की सरकार हो जाने से जनाकांक्षाओं की पूर्ति करना साय सरकार के लिए आसान होगा।

शहरी मतदाताओं के बीच जिनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है जो फ्रीबीज का लाभ नहीं लेते, चुनाव काफी कठिन हो जाता है और ऐसे में एक सुनामी जनादेश से नतीजे अपने पक्ष में करना निःसंदेह विष्णु देव साय के रिपोर्ट कार्ड में चार चाँद लगाता है।

15- FEB- COR- MAIN- Pg- 7 D-VIDESH_Layout 1 2/15/2025 11:08 PM Page 1

सम्मेलन से इतर यूक्रेन, अर्जेंटीना, डेनमार्क, रोमानिया, ऑस्ट्रिया और मंगोलिया के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

जयशंकर की जुबानी पूरी दुनिया ने सुनी सफल भारतीय लोकतंत्र की कहानी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर घरेलू और वैश्विक स्तर पर अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। लेकिन इस बार उन्होंने दुनिया भर में लोकतंत्र को लेकर प्रकट की जा रही चिंताओं और आशंकाओं को भारतीय लोकतंत्र की सफल यात्रा का उदाहरण देते हुए सिरे से खारिज कर दिया।

जर्मनी में चल रहे तीन दिवसीय (14 से 16 फरवरी तक) म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन-2025 (एमएससी) में लोकतंत्र को मजबूत बनाने के विषय पर आयोजित की गई परिचर्चा में जयशंकर ने अपनी ऊंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए दावे के साथ कहा कि भारत में लोकतंत्र न केवल कायम है। बल्कि यह लोगों के जीवन को भी बेहतर बना रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लोकतंत्र और अधिक मजबूत हुआ है। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। चर्चा में उनके साथ नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे, अमेरिका की सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन और वारसॉ के मेयर रफाल ट्रासकोव्सक ने भाग लिया। अन्य वक्ताओं ने दुनिया में लोकतंत्र और उसके सामने खड़ी हो रही चुनौतियों को लेकर चिंता जताई। एमएससी का इस वर्ष 61 वां संस्करण है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

एमएससी से इतर विदेश मंत्री की कई देशों के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय मुलाकात हुई। जिसमें यूक्रेन, अर्जेंटीना, मंगोलिया, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क के विदेश मंत्री शामिल हैं। रूस के साथ युद्ध के बीच विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा से मुलाकात की। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा कि म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिलकर अच्छा लगा। यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर चल रहे प्रयासों पर उनसे चर्चा की। उन्होंने हमारे द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने के बारे में भी बात की। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री ने इस बैठक के लिए डा.जयशंकर को धन्यवाद देते हुए कहा, हम भारत के साथ संबंध विकसित करने, व्यापार, कृषि, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा व अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के इच्छुक हैं। साथ ही यूक्रेन न्यायपूर्ण और स्थायी शांति लाने के लिए भारत की मजबूत वैश्विक आवाज पर भी भरोसा करता है।

भारत में बढ़ा 20 फीसदी मतदान का आंकड़ा

विदेश मंत्री ने देश में फलते-फूलते लोकतंत्र को लेकर यह तर्क भी दिया कि भारत में सुचारू रूप से मतदान प्रक्रिया चलती है। मैंने भी हाल ही में अपने राज्य में मतदान किया है। पिछले साल 2024 में हुए आम चुनाव में हमारे देश में 90 करोड़ योग्य मतदाताओं में से 70 करोड़ ने मतदान किया था। हम एक दिन में ही वोटों की गिनती पूरी कर लेते हैं और फिर नतीजे बिना विवाद के स्वीकार किए जाते हैं। भारत में बीते कुछ दशकों में मतदान का आंकड़ा 20 फीसदी तक बढ़ गया है। जो लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है।

भारत में भूख मिटाता लोकतंत्र

विदेश मंत्री से पहले अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन ने यह टिप्पणी की थी कि लोकतंत्र लोगों की टेबल तक खाना नहीं पहुंचा सकता है। इस पर अपना पक्ष रखते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत में लोकतंत्र सच में भूख मिटाता है। भारत की सरकार 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। जिससे उनके जीवन स्तर के साथ ही सेहत ही बेहतर हो रही है। भारतीय लोकतंत्र पश्चिमी देशों की तुलना में विकासशील देशों खासतौर पर वैश्विक दक्षिण के लिए ज्यादा प्रासंगिक है। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद हमने लोकतंत्र को अपनाया क्योंकि हमारी संस्कृति शुरू से ही सभी को शामिल करने वाली विचारधारा पर आधारित रही है।

पश्चिमी देशों को दी नसीहत

उन्होंने पश्चिम के विकसित देशों को नसीहत देते हुए कहा कि पश्चिम के देश अगर यह चाहते हैं कि दुनिया में लोकतंत्र मजबूत हो तो उन्हें अपने दायरे से बाहर निकलकर लोकतंत्र के बाकी सफल मॉडल को स्वीकार करना होगा। डॉ.जयशंकर ने परिचर्चा के दौरान हालांकि इस बात को स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कहा कि यह सच नहीं है कि सभी देशों में लोकतंत्र विफल हो रहा है। अलग-अलग देशों के हालात भी अलग-अलग हैं। बीते तीन दशकों में अपनाए गए वैश्वीकरण मॉडल की वजह से कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि दुनिया में लोकतंत्र समाप्त हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी जन्म से पिछड़े वर्ग से नहीं : सीएम रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला बोला है। तेलंगाना सीएम ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी जन्म से पिछड़े वर्ग (बीसी) से नहीं हैं और उनकी मानसिकता पिछड़ा वर्ग विरोधी है। रेड्डी ने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस यदि आवश्यक हुआ, तो मोदी के खिलाफ लड़ाई की घोषणा करेगी। क्योंकि केंद्र ने हैदराबाद मेट्रो रेल के विस्तार जैसी परियोजनाओं को मंजूरी नहीं दी है। कुछ लोगों की इस टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि रेवंत रेड्डी तेलंगाना के अंतिम रेड्डी मुख्यमंत्री होंगे, उन्होंने कहा कि उन्हें अंतिम होने में कोई आपत्ति नहीं होगी। सीएम रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद तेलंगाना कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित युवा कांग्रेस की बैठक में राज्य में कांग्रेस सरकार की ओर से कराए गए जाति सर्वेक्षण पर एक पावरपॉइंट प्रस्तुति के दौरान दावा किया कि गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पहले मोदी की जाति अगड़ी जाति थी। उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते हैं कि वह पिछड़ा वर्ग हैं। वास्तव में मोदी जी पिछड़ा वर्ग से नहीं हैं। वह कानूनी रूप से पिछड़ा वर्ग (बीसी) में परिवर्तित हो गए हैं।

अगले सप्ताह सोमवार से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे कतर के अमीर

मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होगी द्विपक्षीय बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी अगले सप्ताह सोमवार से भारत की दो दिवसीय (17 से 18 फरवरी तक) राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ कतर के वरिष्ठ मंत्रियों, अधिकारियों और व्यापारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत पहुंचेगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह कतर के अमीर का भारत का दूसरा उच्च-स्तरीय दौरा है। इससे पहले मार्च 2015 में उन्होंने नई दिल्ली की यात्रा की थी। इस बार शेख तमीम अल थानी की भारत यात्रा से दोनों देशों की बहुआयामी भागीदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री के साथ होगी बैठक

मंत्रालय ने बताया कि भारत पहुंचने के बाद 18 फरवरी को कतर के अमीर को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में परंपरागत रूप से गार्ड ऑफ आर्नर दिया जाएगा। इसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति की तरफ से कतर के अमीर के सम्मान में दावत भी दी जाएगी। इसके अलावा शेख तमीम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

आपसी सम्मान आधारित है भागीदारी

भारत और कतर के बीच प्राचीन-प्रगाढ़ ऐतिहासिक संबंध हैं। जिनका आधार आपसी विश्वास और सम्मान है। हाल के वर्षों में यह संबंध मुख्यतः व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक, संस्कृति और लोगों का लोगों से संबंध जैसे क्षेत्रों में लगातार मजबूत हुए हैं। कतर में सबसे बड़े प्रवासी समुदाय के रूप में भारतीय रहते हैं। उनके सकारात्मक योगदान से हो रही कतर की प्रगति और विकास की सराहना खाड़ी देश में की जाती है।

इजराइल ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों को किया रिहा

तेल अवीव। हमास की कैद से इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद इजराइल ने भी शनिवार को 369 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ दिया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इन कैदियों को एक खास तरह की टी-शर्ट पहनाकर रिहा कर दिया है। इस पर 'हम न भूलेंगे और न माफ करेंगे' लिखा हुआ है। दरअसल, हमास हर बार इजराइली बंधकों की रिहाई से पहले एक इवेंट करता है। इसमें बंधकों को लाया जाता है और उनसे हमास की तारीफ करवाई जाती है। इस इवेंट में हजारों फिलिस्तीनी जुटते हैं। इजराइल इसी बात से नाराज है।

आज भी हमास ने 3 इजराइली बंधकों को रिहा किया और इवेंट का आयोजन किया। सीजफायर डील के तहत इन तीनों बंधकों को गाजा के खान यूनिस इलाके में सुबह 10 बजे (इजराइली समय के मुताबिक) रेड क्रॉस के हवाले किया गया। इसके बाद इन्हें इजराइली सेना के हवाले कर दिया गया। रिहा होने वाले तीनों पुरुष बंधकों के नाम सागुई डेकेल-चेन, साशा ट्रोफानोव और इएयर हॉर्न हैं।

खास बातें

- टी-शर्ट पहनाई लिखा- 'न भूलेंगे, न माफ करेंगे'
- हमास ने भी तीन इजरायली को किया रिहा
- गाजा युद्धविराम समझौता

रिहाई से पहले इजराइली जेल में फिलिस्तीनी कैदी

रिहा होने वाले 369 कैदियों में से 36 उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। बाकी 333 कैदियों को इजराइल ने गाजा जंग के बाद गिरफ्तार किया था। 498 दिन बाद इजराइल लौटे तीनों बंधक पिछले महीने लागू हुए सीजफायर डील के तहत बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की यह छठी अदला-बदली थी। इस बार रिहा हुए तीनों इजराइली बंधक पिछले सप्ताह रिहा हुए बंधकों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ नजर आ रहे थे। दरअसल, पिछली बार रिहा हुए तीनों बंधक बेहद दुबले हो गए थे। इजराइल ने उनकी हालत को लेकर हमास की आलोचना भी की थी। हमास अब तक इजराइल के 19 और थाईलैंड के 5 बंधकों को रिहा कर चुका है। आईडीएफ ने कहा कि रिहा किए गए तीनों बंधक 498 दिन के बाद इजराइल लौटे हैं। इन तीनों को मेडिकल चेकअप के लिए आईडीएफ कैंप ले जाया जाएगा। इसके बाद इन्हें उनके परिवारों से मिलाया जाएगा। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हजारों लड़ाकों ने इजराइल पर हमला कर 1200 लोगों की हत्या कर दी थी। इसके साथ 250 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था।

चुनाव हारने के बाद आप में फूट, 3 पार्षद भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने के बाद आम आदमी पार्टी का अंत तय माना जा रहा है। दिल्ली में जीत का दावा करने वाली आप को चुनाव में बुरी तरह पटखनी खाने को मिली है। इसके बाद अब आप के लिए एक के बाद एक बुरी खबर सामने आ रही है। पहले तो सत्येंद्र जैन के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की गई। इसके बाद दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शीश महल मुद्दे पर जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अब आम आदमी पार्टी के 3 पार्षद पार्टी छोड़ बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

- डबल से ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की तैयारी

ट्रिपल इंजन की बनेगी सरकार?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में जैसे ही आम आदमी पार्टी हारी है, पार्टी का पतन शुरू हो गया है। उधर पंजाब में आप सरकार में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीएम मान की सरकार और केंद्र सरकार के बीच तनातनी जारी है। अब दिल्ली की छोटी सरकार जिसे नगर निगम कहते हैं, उसमें भी आप की खटिया खड़ी होने वाली है। दिल्ली की छोटी सरकार पर भी जल्द ही भाजपा का कब्जा होने वाला है। आज आम आदमी पार्टी के 3 पार्षदों ने बीजेपी ज्वाइन कर लिया है। यह इशारा काफी है कि अब दिल्ली में सिर्फ डबल इंजन की सरकार नहीं रहेगी, बल्कि ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की तैयारी है।

अगले महीने होने वाला है मेयर का चुनाव

आप के जिन 3 पार्षदों ने पार्टी छोड़ी है, उनमें एंड्रयूज गंज से अनीता बसोया, बदरपुर से निखिल चपराना और आरके पुरम के निगम पार्षद धर्मवीर शामिल हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने तीनों को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। बताते चलें कि मार्च के आखिरी में दिल्ली में मेयर का चुनाव होने वाला है। इस चुनाव से पहले अभी तक आप के 12 पार्षद भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

|| HARE KRISHNA ||
ग्राहक अनुभव

मुझे रायपुर शहर के प्राइम लोकेशन में अपने बजट के अनुरूप आवासीय परिसर की तलाश थी। इसके लिए हर्षित लैंडमार्क द बेस्ट लगा। मैंने हर्षित लैंडमार्क में फ्लैट की बुकिंग कराया है। इस सौदे से मैं और मेरा परिवार बहुत खुश हैं।
संजीव कुमार गुप्ता

रायपुर शहर के बीचो बीच सुरक्षित माहौल में अपना घर हर किसी का सपना होता है। हर्षित लैंडमार्क इसके लिए बेस्ट च्वाइस है। एजूकेशन हब और एम्स अस्पताल नजदीक है। यहां हाउसिंग सोसायटी की सुविधाएं सिटी लाइव के अनुकूल हैं।
विजय कुमार देवांगन

हर्षित लैंडमार्क की लोकेशन रायपुर सिटी में बेस्ट आफ द बेस्ट है। एम्स हॉस्पिटल और एनआईटी जैसे एजूकेशन सेंटर पास ही हैं। ऐसे आवासीय परिसर में फ्लैट की बुकिंग फायदे का सौदा है। यहां फ्लैट लेकर मेरा परिवार बहुत खुश है।
विशाल शेखर

रायपुर में अपना घर होने का सपना आज पूरा हुआ। हर्षित लैंडमार्क में स्ट्रीटलाइट, हरियाली से भरे गार्डन, कवर्ड पार्किंग, 24 घंटे सिक्यूरिटी शहर के बीच परिवार की सुरक्षा का अहसास करती है, यह वाकई अच्छा सौदा है।
भानुप्रताप सिंह

SINGHANIA BUILDCON GROUP
Building lifestyle since 1993
गृह प्रवेश 2025
14-16 फरवरी 2025

NOW OR NEVER
HARSHIT LANDMARK
PREMIUM COMMERCIAL & RESIDENTIAL

तो आइये और कीजिए
अपने गृह प्रवेश की तैयारी!

3 & 4 BHK SPACIOUS APARTMENT,
SHOPS & OFFICE SPACES

Key Handover

Premium Flat Starts @55 Lacs Only
Budget Flat Starts @28 Lacs Only

ऑफर केवल 3 दिनों के लिए

Ready Possession
3 & 4 BHK
प्रीमियम फ्लैट
कामर्शियल शॉप्स एण्ड ऑफिस स्पेस
RERA Reg. No. - PCGRERA270618000348 | www.rera.cgstate.gov.in

ON THE SPOT BOOKING
100% बैंक फायनेंस
0% प्रोसेसिंग फीस
फ्री क्लब चार्जेस
*T&C Apply

लक्जरी जीवन | वास्तविक तस्वीरें | आधुनिक सुविधाएं

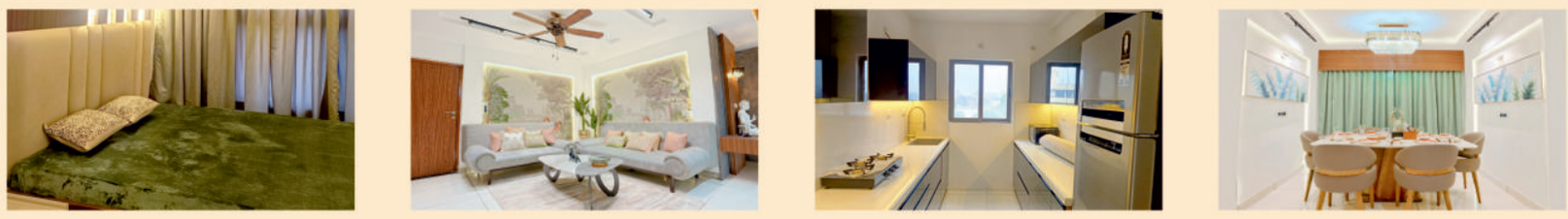

प्रमुख स्थानों से सबसे निकटतम- एम्स हॉस्पिटल 1.5 किमी. | एनआईटी 3.4 किमी. | पं. दीनदयाल सभागार 3.1 किमी. | पं. रविशंकर विश्वविद्यालय 4.1 किमी. | अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम 3.0 किमी.

SINGHANIA BUILDCON GROUP
Building lifestyle since 1993
साईट पता : रिंग रोड नं.-2
हीरापुर चौक, रायपुर
8302-321-321
www.singhaniabuildcon.com
Credai Member CREDAI Chhattisgarh
APPROVED

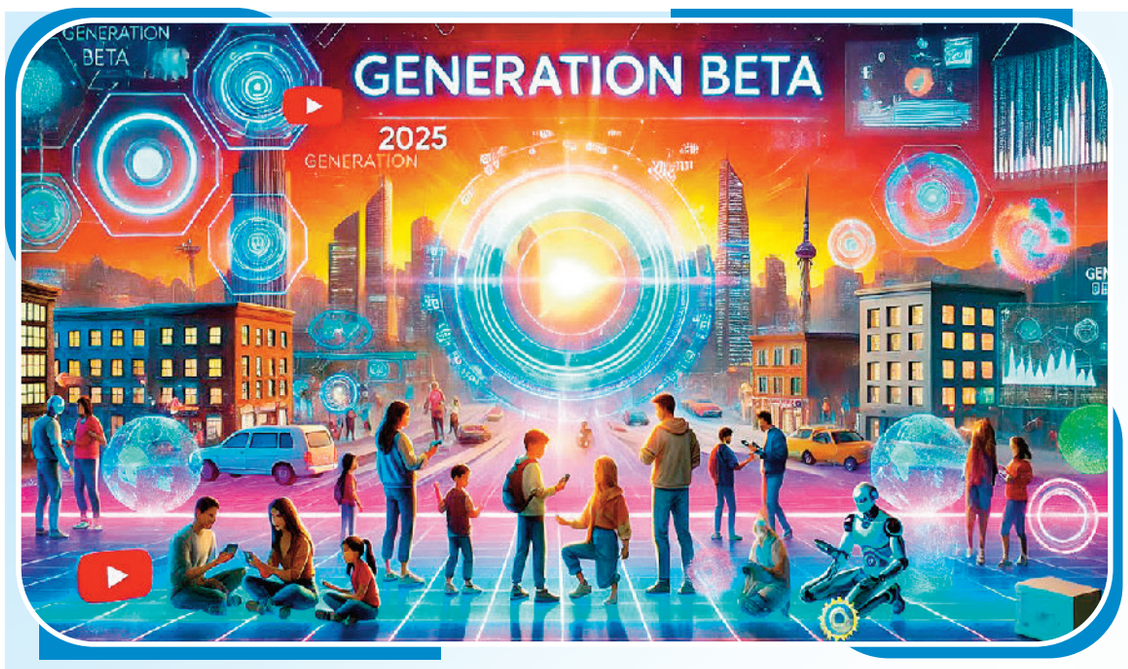

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 16 फरवरी 2025

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

सजेशन
रजनी अरोड़ा

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

कहानी
शुभदा मिश्र

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक), **संपादकः** कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

तरकश

संजय के दीक्षित

हिन्दुत्व की इंट्री!

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के नतीजों ने चौंकाया ही था, नगरीय निकाय के परिणाम ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है। बात महज सीटों की नहीं, जीतने वाली पार्टी का वोट शेयर और मार्जिन कभी ऐसा नहीं रहा। रायपुर में मुस्लिम बहुत इलाके से एजाज ढेबर जैसे नेता को पराजय का सामना करना पड़ा। तो मीनल चौबे को 1.53 लाख की ऐतिहासिक लीड मिली। बिलासपुर में ओबीसी को छोड़ दें तो भी मुस्लिम, क्रिश्चियन और दलितों के 40 हजार वोट निर्णायक हैं। कांग्रेस के प्रमोद नायक का चेहरा अपेक्षाकृत ज्यादा वजनदार और सौम्य था। उसके बाद भी पूजा विधानी 66 हजार मतों से जीत गई। अंबिकापुर में डॉ0 अजय तिर्की की लोकप्रियता ऐसी कि कांग्रेस को छोड़िये, बीजेपी भी मान रही थी कि उन्हें 10 में से नौ सीटें मिल रही हैं। याने डॉ0 तिर्की की हैट्रिक में भाजपा को भी कोई संशय नहीं दिख रहा था। मगर तिर्की को भी हार का मुंह देखना पड़ा। रायगढ़ में चाय बेचने वाले जीवर्द्धन चौहान 61 परसेंट वोट शेयर के साथ चमकदार जीत दर्ज करने में कामयाब हुए। कांकेर में 50 साल और आरंग में 25 साल से बीजेपी जीत के लिए तरस रही थी, इस चुनाव में ये दोनों नगरपालिका भी कांग्रेस के हाथ से निकल गई। हालांकि, इससे कोई इंकार नहीं कि लोकल इलेक्शन में रुलिंग पार्टी को फायदा मिलता है। बीजेपी का टिकिट वितरण और मैनेजमेंट भी बहुत बढ़िया रहा। नेताओं ने ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। फिर भी....बिना किसी करंट के ऐसे नतीजे नहीं आते। और आज के दौर में ऐसे करंट जाति और धर्म के बिना मुमकिन नहीं। छत्तीसगढ़ में जाति की राजनीति कभी परवान नहीं चढ़ सकी। लोगों ने इसे 2003 के विधानसभा चुनाव में भी देखा और 2023 में। मगर विधानसभा के बाद लोकसभा और नगरीय निकाय चुनाव के नतीजों से लगता है छत्तीसगढ़ में दबें पांव हिन्दुत्व की इंट्री हो गई है।

मंत्रिमंडल का विस्तार

नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव निबटने के साथ ही विष्णुदेव कैबिनेट विस्तार का जिन्न फिर बाहर आने लगा है। चुनाव के दौरान भी बीजेपी के अंदर इस पर बातें हो रही थी कि विधानसभा के बजट सत्र से पहले या उस दौरान भी नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जा सकती है। वैसे कोई ऐसा नियम भी नहीं है कि सत्र के दौरान कोई बडा काम नहीं हो सकता। बहरहाल, कैबिनेट विस्तार सत्र से पहले हो या बाद में, इतना जरूर है कि नगरीय निकाय चुनाव के ऐतिहासिक नतीजों से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजनीतिक तौर पर काफी स्ट्रांग हो गए हैं। याने अब उनके पंसदीदा मंत्रियों के शपथ लेने में कोई संशय नहीं।

दो एक्स एमएलए

नगरीय निकाय चुनाव में इस बार बीजेपी ने एक और कांग्रेस ने दो डॉक्टरों को चुनाव मैदान में उतारा था। इनमें दो पूर्व विधायक थे। बीजेपी ने पूर्व विधायक और महासमुंद नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष डॉ0 विमल चोपड़ा को खडा किया था। वहीं कांग्रेस ने पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल को चिरमिरी से और डॉ. अजय तिर्की को अंबिकापुर से टिकिट दिया था। तीनों डॉक्टर चुनाव हार गए। चिरमिरी और अंबिकापुर में अपने प्रत्याशी को जीताने के लिए चरणदास महंत का यह बयान भी काम नहीं आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगला विधानसभा चुनाव महराज याने टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में होगा।

कांग्रेस का प्रत्याशी चयन

नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस पार्टी को शर्मनाक हार का मुंह देखना पड़ा तो इसकी एक अहम वजह प्रत्याशी चयन भी रही। एक तो टिकिट फायनल करने में पार्टी ने काफी देर लगा दी, उपर से गुटीय लड़ाई आखिरी दौर तक जारी रही। 27 जनवरी को नामंकन का आखिरी दिन था और 26 जनवरी की शाम तक कांग्रेस में शह-मात का खेल चल रहा था। कांग्रेस के लोग भी स्वीकार करते हैं कि बिलासपुर और अंबिकापुर जैसे दो-एक नगर निगमों को छोड़ दें कांग्रेस ने ठीकठाक चेहरों को मैदान में उतारा नहीं। रायपुर में पांच साल महापौर और पांच साल सभापति रहे प्रमोद दुबे की पत्नी को टिकिट दे डाला, वहीं चिरमिरी में डॉ. विनय जायसवाल को। पांच साल विधायक रहने के कारण उनकी एंटीइम्बेंसी थी ही, उनकी पत्नी चिरमिरी की महापौर रहीं। याने एक और एक ग्यारह हो गया। अपने लोगों को टिकिट देने के चक्कर में कांग्रेस नेताओं ने ऐसी गल्तियां कई जगहों पर की।

हर शाख पे उल्लू बैठे हैं...

शौक बहराइच का शेर...हर शाख पे उल्लू बैठे हैं, अंजाम ऐ गुलिस्तां क्या होगा...छत्तीसगढ़ के संदर्भ में एकदम सटीक बैठता है। छत्तीसगढ़ के जिस विभाग में हाथ डाल दीजिए, कोई-न-कोई स्कैम निकल आएगा। पीएससी परीक्षा से लेकर सीजीएमससी, आरआई परीक्षा, आयुष्मान योजना, पाठ्य पुस्तक निगम, पुलिस भर्ती, फॉरेस्ट गार्ड भर्ती, कालोनाईजर स्कैम...याने जिधर नजर डालिये, उधर स्कैम। सरकार भी परेशान और एसीबी भी हलाकान। लोग भी हैरान...हमर छत्तीसगढ़ को किसकी नजर लग गई, जिसको मौका मिला, वो लूटने से चूक नहीं रहा। सूरजपुर के डीईओ को देखिए रिटायरमेंट से 14 दिन पहले एक लाख रिश्वत लेते ट्रेप हो गया।

साल में 40 खोखा

पाठ्य पुस्तक निगम का कबाड़ घोटाला इस समय खूब चर्चा में है। दरअसल, यह निगम शुरू से बदनाम रहा है। इसमें सब कुछ फिक्स रहता है। साल में दो बार खेल होगा और इतना बड़ा कि उसके बाद कुछ करने की जरूरत नहीं। पहला कागजों के टेंडर में। 12 लाख मीट्रिक टन कागज खरीदी में कागजों के जीएसएम और ब्राइटनेंस का बड़ा रोल होता है। दो परसेंट जीएसएम और ब्राइटनेस कम हो गया तो 10 करोड़ का खेल हो गया। इसी तरह बाजार से चार गुने रेट पर किताबों को छापने का टेंडर किया जाता है। उसमें 15 से 20 खोखा का जुगाड़। फिर हर साल 10 से 15 लाख किताबों कागजों में छपवाई जाती है। कुल मिलाकर पापुनि में 40 खोखा का काम हो जाता है। तभी तो वहां का एक जीएम सरकार से लड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया।

कलेक्टरों का ट्रांसफर

नगरीय और पंचायत चुनाव की आचार संहिता खतम होने से एक रोज पहले इस बार विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभ हो जाएगा। उधर, कलेक्टरों को बदला जाना भी अपरिहार्य हो गया है। धमतरी और दुर्ग की दोनों महतारी कलेक्टर दिल्ली डेपुटेशन पर जा रही हैं। जाहिर है, पंचायत चुनाव के बाद उन्हें रिलीव किया जाएगा। यद्यपि, एक मिथक बना हुआ है कि विधानसभा सत्र के दौरान अफसरों के ट्रांसफर नहीं किए जाते। मगर रमन सिंह की सरकार ने तीसरी पारी में दो बार इस मिथक को तोड़ लोगों को चौंका दिया था। वैसे, विधानसभा की सत्र से कलेक्टरों को कोई वास्ता भी नहीं होता। प्रश्नों के जवाब नीचे का स्टाफ बनाता है...वह कलेक्टर कोई भी रहे सिस्टम अपना काम करता है। ऐसे में, इस बार विधानसभा सत्र के दौरान ही कलेक्टरों की लिस्ट निकलेगी, इसमें कोई संशय नहीं है।

हाजिरी 90 परसेंट, बट...

सरकार अगर चाह ले तो कुछ भी संभव है। मंत्रालय में सरकार ने टाईमिंग को लेकर मजबूत इच्छा शक्ति दिखाई, उसकी नतीजा यह हुआ कि उपर से लेकर नीचे के 80 परसेंट अफसर टाईम पर आने लगे हैं। अलबत्ता, कई तो 10 बजे से पहले महानदी भवन पहुंच जा रहे। दरअसल, सिस्टम मैसेज से चलता है। मुख्यमंत्री ने एक जनवरी को अफसरों की टाईमिंग को लेकर खरी-खरी बात की। उसके बाद सीएम सचिवालय हरकत में आया। पीएस टू सीएम ने आईएएस ग्रुपों में मैसेज किया...अनौपचारिक मैसेज यह भी हुआ कि सीएम सचिवालय अफसरों के अटेंडेंस की मानिटरिंग कर रहा है। हालांकि, मानिटरिंग हो भी रही है। रोज दोपहर दो बजे हाजिरी चार्ट सीएम सचिवालय के एक अफसर के पास पहुंच जाता है। चार्ट में कोई बड़ा-छोटा नहीं...चीफ सिकरेट्री से लेकर सीएम सचिवालय तक के अफसरों का टाईम दर्ज किया जाता है। मगर बता दें, यह सुधार अभी नया रायपुर तक सीमित है। जिलों में वही पुराना ढर्रा चल रहा है। सीएम सचिवालय और जीएड को कलेक्टरों को टाईट करना पड़ेगा, तभी जिलों का वर्किंग कल्चर बदलेगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या ये सही है कि सीजीएमएससी की गंगा में डूबकी लगाने के लिए एक ब्यूरोक्रेट्स ने पार्टनरशीप में रायपुर से 50 किलोमीटर दूर दवाई की फैक्ट्री खोल ली है?
2. क्या टीएस सिंहदेव को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने का आदेश जल्द निकलने वाला है?

जिनके यहां डकैती उनके यहां एक माह पूर्व हो चुकी है चोरी की कोशिश

रायपुर। अनुपम नगर में मनोहरण वेलू के घर डकैती की घटना में नए तथ्य सामने आए हैं। जिनके यहां डकैती की घटना हुई है, उनके यहां एक माह पूर्व चोरी की कोशिश हुई थी, जिसकी शिकायत मनोहरण ने खम्हारडीह थाने में की थी।

शिकायत की अनदेखी करते हुए पुलिस ने किसी तरह की जांच नहीं की। इसकी जानकारी मनोहरण के करीबी बीएसएफ के सेवानिवृत्त सूबेदार ए. सोम शेखर को थी। चोरी की शिकायत पर पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से सूबेदार को बल मिला। इसके बाद उसने डकैती डालने अपने साथियों को सेना की वर्दी में आने के लिए कहा।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं का ऐसा तांता, प्रयागराज की एकमात्र फ्लाइट ऑनलाइन बुकिंग साइट से गायब

सामान्य तरीके से 6000 में टिकट, 25 फरवरी के बाद ही मिलना मुमकिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महाकुंभ में शामिल होने श्रद्धालुओं का तांता लगने की वजह से रायपुर-प्रयागराज की एकमात्र नियमित फ्लाइट ऑनलाइन बुकिंग साइट से गायब हो चुकी है।

इस फ्लाइट में सामान्य तरीके से सफर करने के लिए 25 फरवरी के बाद ही 6 हजार में टिकट मिलना मुमकिन है। यात्रियों को गंगा में डुबकी लगाने के लिए वहां तक पहुंचने के लिए दिल्ली अथवा लखनऊ की फ्लाइट का सहारा लेना पड़ रहा है।रायपुर-प्रयागराज के बीच नियमित रूप से एक विमान का संचालन होता है, जो छोटा एयरक्राफ्ट है। महाकुंभ की शुरुआत के बाद इसकी डिमांड इतनी बड़ी हुई है कि 5 से 6 हजार में मिलने वाला टिकट अभी 20 हजार में नहीं मिल पा रहा है। अजय ट्रैवल्स के संचालक रमन जादवानी के मुताबिक कुंभ के शेष दिनों के लिए फ्लाइट में बुकिंग पूरी हो चुकी है, इसलिए ऑनलाइन बुकिंग साइट से गायब हो चुकी है।

कुंभ की समाप्ति महाशिवरात्रि के साथ होगी, जिसके बाद ही दोनों शहरों के बीच यात्रा सामान्य तरीके से होगी। 26 फरवरी को रायपुर से प्रयागराज जाने के लिए लगभग 6 हजार में टिकट मिल रहा है।

- वर्तमान में प्रयागराज जाने दिल्ली अथवा लखनऊ की फ्लाइट ही सहारा

अप्रैल से समर शेड्यूल

विमान 30 मार्च तक विंटर शेड्यूल के अनुसार आवाजाही कर रहा है। 30 मार्च के बाद विमानों का परिचालन गर्मी यानी समर शेड्यूल के अनुसार किया जाएगा। विंटर शेड्यूल के दौरान रायपुर से जगदलपुर के बीच बंद हुई निजी एयरलाइंस की उड़ान पुनः शुरू होने की उम्मीद है। वहीं रायपुर से सालों से लंबित जयपुर के साथ भारी डिमांड वाले अयोध्या के लिए भी विमान सेवा शुरू किए जाने की उम्मीद है।

महादेव सट्टा एप मामले में सीबीआई कर सकती है नए सिरे से गिरफ्तारी

अब तक दो दर्जन से ज्यादा लोगों से सीबीआई ने अलग-अलग की है पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महादेव सट्टा एप मामले की जांच सीबीआई के सुपुर्द किए जाने के बाद सीबीआई के अफसरों ने जेल में बंद 15 आरोपियों से जेल में पूछताछ की है।

मामले से जुड़े अन्य लोगों से भी सीबीआई ने पूछताछ की है। महादेव सट्टा एप मामले में सीबीआई अब तक दो दर्जन से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है। सट्टा एप मामले में सीबीआई ने अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की है। मामले की जांच सीबीआई के सुपुर्द किए जाने के बाद कोर्ट ने सीबीआई को दो महीने के अंदर चार्जशीट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। महादेव सट्टा एप को लेकर अलग-अलग थानों में दर्ज प्रकरण के साथ ईओडब्लू से महादेव सट्टा एप से जुड़े सभी तरह के दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है।

बयान, दस्तावेजों की पड़ताल के बाद गिरफ्तारी

सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने महादेव सट्टा एप के आरोपियों से नए सिरे से जो बयान दर्ज किया है, उनके उन बयानों को पूर्व में दिए गए बयानों से मिलान कर रही है। जिनके बयान विरोधाभाषी पाए गए हैं, उनके सीबीआई के अफसरों ने फिर से बयान दर्ज किए हैं। सूत्रों के मुताबिक पुलिस द्वारा दर्ज महादेव सट्टा एप मामले में जिन आरोपियों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुकी है।

छोटे स्टेशनों के प्लेटफार्म की बढ़ाई जा रही लंबाई, गर्मी में मिलेगी छांव, स्टॉपेज और कोच इंडिकेटर बोर्ड्स की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के तहत अब छोटे रेलवे स्टेशनों की सूरत बदलने लगी है। यात्रियों को यहां अब आधुनिक सुविधाएं मिलने लगेंगी। शहर से जुड़े सरोना रेलवे स्टेशन पर हर साल गर्मी के मौसम में यात्रियों को धूप में खड़े होकर अपनी ट्रेन का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब इस स्टेशन पर चार बड़े शेड लगाए जा चुके हैं, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी। इसके अलावा, सरोना स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेनों के लिए प्लेटफार्म छोटा था, जिसके कारण अक्सर ट्रेन के तीन कोच प्लेटफार्म से बाहर निकल जाते थे, जिससे चढ़ने-उतरने में यात्रियों को दिक्कत होती थी।

- अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 21 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास व शिलान्यास

अब रेलवे प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ा रहा है, ताकि यह समस्या हल हो सके और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। इसी तरह की सुविधाएं मंदिर हसौद और हथबंध स्टेशनों पर भी दी जाएगी। इन स्टेशनों में सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक 400 से 800 यात्रियों की आवाजाही रहती है। रेलवे इन स्टेशनों के पुनर्विकास पर काम कर रहा है, और इस निर्माण कार्य की 70 फीसदी प्रगति हो चुकी है।

स्टॉपेज बढ़ाने का भी प्रयास

सरोना स्टेशन में रोजाना 800 से अधिक यात्री ट्रेन में सफर करते हैं। ऐसे में रेलवे बोर्ड सुविधाएं बढ़ाने के बाद स्टेशन में ट्रेनों का स्टॉपेज भी बढ़ सकता है, जिससे बाद यात्रियों को एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए मुख्य स्टेशन में जाना नहीं पड़ेगा। भिलाई पावर हाउस और तिल्दा में रुकने वाली कुछ ट्रेनों का स्टॉपेज मिल सकता है। स्टेशन लाइटिंग में सुधार, साइनेज, ट्रेन व कोच इंडिकेटर बोर्ड्स की सुविधा भी बढ़ेगी।

वेटिंग हॉल के साथ सुरक्षा भी

स्टेशनों में वेटिंग हॉल, पार्किंग के साथ प्लेटफार्म में आधुनिक कैमरा भी लगाया जा रहा है। यह कार्य भी 50 फीसदी पूरा हो चुका है। योजना के तहत अन्य स्टेशनों में भी फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट एस्कलेटर,सर्कुलटिंग एरिया का उन्नयन, वेटिंग हाल और टायलेट का उन्नयन, स्टेशन लाइटिंग में सुधार, साइनेज, ट्रेन एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड, पार्किंग स्थान में वृद्धि, प्लेटफार्म एरिया का विस्तार, शेड, स्थानीय कला और संस्कृति के अनुसार स्टेशन के वाह्य स्वरूप का उन्नयन किया जा रहा।

योजना में छत्तीसगढ़ के 21 स्टेशन शामिल

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 21 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास व शिलान्यास किया जाना है, जिसमें सरोना, मंदिर हसौद, हथबंध, निपनिया, भाटापारा, डोंगरगढ़, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव, भिलाई नगर, बिल्हा, बैकुंठपुर रोड, अंबिकापुर, उसलापुर, पेंड्रारोड, जांजगीर नैला, चांपा, बाराद्वार, दल्लीराझहरा, भानुप्रतापपुर और भिलाई स्टेशन शामिल है।

कुंभ स्नान को गए सब इंस्पेक्टर के घर को चोरों ने बनाया निशाना

रायपुर। चोर आम आदमी से लेकर पुलिसकर्मियों के घर तक को निशाना बनाकर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में आमानाका थाना क्षेत्र के सन सिटी में निवासरत एक सब इंस्पेक्टर के घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए 70 से 80 हजार रुपए नकदी सहित नौ लाख रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के जेवर पर हाथ साफ कर दिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

एनेक्जर-ए

कार्य का विवरण: बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए विश्राम कुर्सी/ सह रिक्लाइनर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के कार्य के लिए लाइसेंस के आवंटन हेतु ई–नीलामी।

5 वर्ष की अवधि के लिए बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए विश्राम कुर्सी/ सह रिक्लाइनर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के कार्य के लिए लाइसेंस के आवंटन हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट **(https://ireps.gov.in)** पर दिनांक 06.02.2025 को प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है:

केटेलॉग क्र.: BSP-MX-FEB-25

श्रेणी: Misc-Static-Services-Relaxation Chair

अनुबंध अवधि: 1826 दिनों

नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण
21.02.25 12:00:00	MSS-BSP-BSP-MaChr-82-25-1	बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए विश्राम कुर्सी/ सह रिक्लाइनर की स्थापना, संचालन और रखरखाव के कार्य के लिए लाइसेंस

सहायक वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स)
सीपीआर/10/500 बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

APPOINTMENT

Rajkumar College

(ESTD 1882) GE Road, Raipur (CG) – 492013

(A 142 Years old reputed Co-Ed Public School, affiliated to CISCE with campus accommodation)

Faculty for Legal Studies: LLB/LLM/BA LLB

Faculty for Robotics & AI : BE/B Tech
(CS / IT / Electronics / Electrical / Instrumentation / Mechanical) or MCA with B Ed

Teachers for all subjects

Preference will be given to candidates who are fluent in English and experience. Apply with full bio-data and photograph to Principal by Post. Contact No. 0771 - 4701051 & 4701056.
Email- bursar.rkc@gmail.com, paoffice@rkcraipur.edu.in

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सं.: एस/एपी/2024-25/ दिनांक: 11.02.2025

माह फरवरी- 2025 एवं मार्च- 2025 में होने वाले स्क्रैप ई-नीलामी का अतिरिक्त दिनांक

[a] फरवरी- 2025

GSD/Raipur	BSP/Division	Raipur/Division	Nagpur/Division	GSD/NGP
14.02.2025	28.02.2025	13.02.2025	19.02.2025	17.02.2025

[B] मार्च- 2025

GSD/Raipur	BSP/Division	Raipur/Division	Nagpur/Division	GSD/NGP
04.03.2025	17.03.2025	21.03.2025	17.03.2025	07.03.2025
18.03.2025	24.03.2025	28.03.2025	25.03.2025	12.03.2025

उप सामग्री प्रबंधक- II
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/491

SOUTH EAST CENTRAL RAILWAY

रूचि की अभिव्यक्ति

केन्द्रीय चिकित्सालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में सी. टीस्कैन/ एम.आर.आई जाँच सुविधा का तीन वर्षों के लिए आउट सोर्सिंग का विज्ञापन

चिकित्सा निदेशक,केन्द्रीय चिकित्सालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के द्वारा बिलासपुर शहर के प्रतिष्ठित सी.टीस्कैन/ एम.आर.आई जाँच सेंटरों से रेलवे हितग्राहियों के लिए जबलपुर शहर के सी.जी.एच.एस दर (एन. ए. बी. एल./नान-एन. ए. बी. एल) 2024 में जाँच सेवाएं देने के लिए रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है।

रूचि की अभिव्यक्ति प्राप्त होने के बाद रेलवे द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार प्राप्त ऑफरों को सारांशित किया जाएगा। ऐसे केन्द्रों को जो सभी मानक मापदण्डों को पूरा करेंगें उन्हें सूची में शामिल किया जाएगा। एन.ए.बी.एल/ एन.ए.बी.एच मान्यता प्राप्त केन्द्रों को प्राथमिकता दी जायगी।

बिलासपुर शहर के सभी इच्छुक सी.टीस्कैन/ एम.आर.आई जाँच सेंटरों से निवेदन है कि वे अपने रूचि की अभिव्यक्ति को (व्यक्तिगत अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा) निर्धारित प्रोफार्मा में इस विज्ञापन के प्रकाशित होने के 21 दिनों के भीतर, कार्यालय चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में किसी भी कार्यालयीन दिवस में 11:00 बजे से 17:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। सभी केन्द्र जो सूची बद्ध किए जायेगें उनके हेतु निर्धारित दर आगामी 03 वर्षो के लिए प्रभावी होगें जो अपरिवर्तित रहेगें एवं परिवर्तन केवल सी.जी.एच.एस दर के बदलने पर ही संभव हो सकेगा।

निर्धारित मापदण्ड, आवेदन के प्रोफार्मा और जाँचों की सूची, कार्यालय चिकित्सा निदेशक/ केन्द्रीय चिकित्सालय/ द.पू.म. रेलवे/ बिलासपुर में उपलब्ध है तथा इसे द.पू.म. रेलवे के वेबसाईट **www.secr.indianrailways.gov.in** से दिनांक 14.02.2025 से 08.03.2025 तक डाउनलोड भी किया जा सकता है।

अपरमुख्य स्वास्थय निदेशक (प्रशासन)
चिकित्सा निदेशक केन्द्रीय चिकित्सालय
द. पू. म. रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/486

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा: अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

मांग–सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें।

जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए। , यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.

उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए। . ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।

सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्रं.	ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता	बकाया राशि	मांग सूचना तिथि	बंधक संपत्ति का विवरण
(अ)	(ब)	(स)	(द)	(इ)
1.	**श्रीमती वर्मा दीपिका,** यूनिट–16, टाइप–E, ग्रीन अर्थ (प्लॉट) स.क्र. (217, 218, 226-235, 242-250 का भाग, ग्राम–अमलेश्वर में) एवं (1496,1503,1504,1516,1517 ग्राम–सांकरा में) तहसील पाटन, जिला दुर्ग, दुर्ग–491001. **श्रीमती वर्मा दीपिका,** कौशल कुमार वर्मा, मकान नंबर 54/1993, डगनिया, शीतला मंदिर के पास, रायपुर–492001. **श्रीमती वर्मा दीपिका,** M/s. Aqua CMS India, दुकान नंबर 54/1193, शांति विहार कॉलोनी, डगनिया, रायपुर – 492001.	₹ 15,36,422/- as on 31-DEC-2024	31-JAN-2025	निर्मित प्लॉट का समस्त भाग एवं आंशिक भाग, क्षेत्रफल–1275 वर्गफीट, खसरा नं.–249/2 का भाग, मौजा–अमलेश्वर, प्लॉट नं.–E-16 "ग्रीन अर्थ सिटी फेज़–4" प.ह.नं.–05, तह. पाटन और जिला–दुर्ग छत्तीसगढ़, **चौहद्दी** : – उत्तर–E-17, दक्षिण–E-15, पूर्व–फुटपाथ, पश्चिम–E-7.
2.	**श्री मोहम्मद शान,** Unit-SS1-100-Block-10, ट्रांसपोर्ट नगर योजना प्लॉट्स, स.क्र., ग्राम–रावांभाटा; जिला–रायपुर–493221. **श्री मोहम्मद शान,** मकान नंबर 240/6,हाउसिंग बोर्ड, ग्राम रावांभाठा, रायपुर – 492001. **श्री मोहम्मद शान,**मेसर्स एस. एस. मोटर गैफ्रेज, वार्ड नंबर 13, ट्रांसपोर्ट नगर, रायपुर – 492001. **श्रीमती बेगम अहमदी,** मकान नं. 240/6, हाउसिंग बोर्ड, ग्राम रावांभाठा, रायपुर – 492001. **श्रीमती बेगम अहमदी,** Unit-SS1-100-Block-10, ट्रांसपोर्ट नगर योजना प्लॉट्स, स.क्र., ग्राम–रावाभाटा; जिला–रायपुर–493221.	₹ 6,06,880/- as on 31-DEC-2024	31-JAN-2025	निर्मित व्यावसायिक दुकान का वह सारा भाग व आंशिक भाग, क्षेत्रफल–215 वर्ग फीट, खसरा नं.–395/1 भाग– रावांभाटा, आरडीए नगर विकास योजना, स.क्र.–10 "रावांभाटा ट्रांसपोर्ट नगर" भूमि क्रमांक–SS1-100, प.ह.नं.–100, आरआईसी–1, वार्ड 13, पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड, तहसील एवं जिला–रायपुर छत्तीसगढ़, **चौहद्दी**:–उत्तर–सामुदायिक भवन, दक्षिण–खुली भूमि, पूर्व–श्रृंखला S.Aakar, की भूमि, पश्चिम–SS1-101.
3.	**श्री वैद्य विजयेंद्र कुमार,** फ्लैट नंबर23, फ्लोर नंबर–006, चौहान ग्रीन वैली ब्लॉक–ए, स.क्र., खसरा नं. 41/4, 41/6, 41/7, प.ह.नं. 15, जुनवानी, दुर्ग–दुर्ग, **श्री वैद्य विजयेंद्र कुमार,** MA-2, पदुम नगर, वार्ड क्रमांक 17, चरोदा, भिलाई–छत्तीसगढ़, पिन–490010. **श्री वैद्य विजयेंद्र कुमार,** यूनिक स्ट्रक्चर्स एंड टावर्स लिमिटेड, 1A, लाइट इंडस्ट्रियल वर्क्स एरिया–भिलाई – 490026.	₹ 12,51,300/- as on 31-DEC-2024	05-Feb-2025	आवासीय फ्लैट/अपार्टमेंट का समस्त भाग एवं आंशिक भाग जिसका क्षेत्रफल, बिल्टअप एरिया- 595 वर्ग फुट खसरा नं. 41/4, 41/6, 41/7, मौजा–जुनवानी, चौहान हाऊसिंग कंपनी "चौहान ग्रीन वैली" फ्लैट नंबर–23, 6 वीं मंजिल ब्लॉक–A-1, वार्ड नंबर–01, आरआईसी–दुर्ग–1, प.ह.नं.–15/21, तह. दुर्ग, जिला–दुर्ग छत्तीसगढ़, **चौहद्दी**:–उत्तर–फ्लैट A1/22, दक्षिण–खुली जगह, ब्लॉक A-2, पूर्व–रोड, पश्चिम–फ्लैट A-1/24.
4.	**श्री महाकुड सौमितिंजय,** प्लॉट–डी–45, सृष्टि समृद्धि, स.क्र., खसरा नं. 306/2, 308/1, 309/1-2, 311/1-2, 313/2, 315/2, प.ह.नं.1, ग्राम–बोदरी, द–बिल्हा, बिलासपुर–छ.ग.–495001. **श्री महाकुड सौमितिंजय,** मकान नं. 74, शिव मंदिर के पास, अज्ञेय नगर, शहर बिलासपुर– बिलासपुर–छ.ग.– 495001. **श्री महाकुड सौमितिंजय,** ACC लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शिव दुलारे परिसर, व्यापार विहार सिटी, बिलासपुर – बिलासपुर–छ.ग.– 495001. **श्रीमती पधान शक्ति प्रभा गार्गी,** मकान नं. 74, शिव मंदिर के पास, अज्ञेय नगर, शहर बिलासपुर–बिलासपुर–छ.ग.– 495001. **श्रीमती पधान शक्ति प्रभा गार्गी,** प्लॉट–डी–45, सृष्टि समृद्धि, स.क्र., खसरा नं. 306/2, 308/1, 309/1-2, 311/1-2, 313/2, 315/2, प.ह.नं.1, ग्राम–बोदरी, द–बिल्हा, बिलासपुर–छ.ग.–495001.	₹ 22,77,585/- as on 31-DEC-2024	31-Jan-2025	डायवर्टेड भूमि का वह सारा भाग व आंशिक भाग, उस पर निर्माण सहित, क्षेत्रफल–1000 वर्ग फुट। खसरा नं. –308/1 भाग–मौजा–बोदरी, लेआउट प्लॉट नंबर–45 "सृष्टि समृद्धि" प.ह.नं.–01, आरआईसी–बिल्हा, शहीद भगत सिंह नगर वार्ड, वार्ड–04, तह. बिल्हा एवं जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, **चौहद्दी**:–उत्तर–लेआउट प्लॉट–46, दक्षिण–लेआउट प्लॉट–44, पूर्व–रोड, पश्चिम–लेआउट प्लॉट 55 एवं 56.
5.	**श्री देवांगन जगत राम,** यूनिट–667, अविनाश ट्विन सिटी, स.क्र. 664 से 666, 669, 672, 673, 713 से 715, 740, 741, 746, 747, 752, 1177 से 1181 और अन्य खसरा, ग्राम–कुम्हारी, दुर्ग–490042. **श्री देवांगन जगत राम,** जुगनूबाई कॉलोनी, संतोषी नगर, रायपुर – 492001& **श्री देवांगन जगत राम,** श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड, श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड, विल पंडलोई, लपांगा, संबलपुर – 761016, **श्रीमती देवांगन कमला बाई पति जगत राम देवांगन,** मकान नंबर 494/1, वार्ड नंबर 20, नीम चौक, देवांगन मोहल्ला, कुरुद, चांपा – जांजगीर चांपा – 495671. **श्रीमती देवांगन कमला बाई,** यूनिट–667, अविनाश ट्विन सिटी, स.क्र. 664 से 666, 669, 672, 673, 713 से 715, 740, 741, 746, 747, 752, 1177 से 1181 और अन्य खसरा, ग्राम–कुम्हारी, दुर्ग–490042.	₹ 23,07,161/- as on 31-DEC-2024	05-Feb-2025	निर्मित परिवर्तित रिहायशी प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट, खसरा नं.–15002/1 का भाग–मौजा–कुम्हारी, प्लॉट नंबर–667, अविनाश ट्विन सिटी, प.ह.नं.–53, आरआईसी–अहिवारा और तह. –धमधा, जिला–दुर्ग छत्तीसगढ़ **चौहद्दी:**– उत्तर–भूमि नंबर–668, दक्षिण–भूमि नंबर–666, पूर्व–भूमि नंबर–1227, पश्चिम–रोड कॉलोनी।
6.	**श्री वर्मा विजय लक्ष्मी,** फ्लैट–B2-408, फ्लोर–4, डी.एम. टावर, फेज़ 1 (B1 to B5, स. क्र. 65/3, 65/4(65/8, बीरगांव, 403, 404/1-2-3-4-5, 405, रावांभाटा, प.ह.नं. 101 एवं 100, रायपुर–492001. **श्री वर्मा विजय लक्ष्मी,** मकान नंबर 10/10, राधिका ज्वेलर्स के पीछे, संतोषी नगर, खमतराई–2 (खमतराई), रायपुर–492008. **श्री वर्मा विजय लक्ष्मी,** मे. ऑल इन वन कलेक्शन, संतोषी नगर, खमतराई, राधिका मोहन ज्वैलर्स के पास, खमतराई – रायपुर –492008.	₹ 22,59,320/- as on 31-DEC-2024	31-Jan-2025	फ्लैट के सभी भाग एवं आंशिक भाग, क्षेत्रफल–525 वर्ग फीट, खसरा नं. – 65/3, 65/4, 65/8, मौजा– बिरगांव, फ्लैट नंबर–B2-408 2BHK, चौथी मंजिल "डी.एम. टावर्स" प.ह.नं.–101, वार्ड–20, पं. सुंदर लाल शर्मा, आरआईसी धरसीवा–1, बीरगांव, तह. एवं जिला–रायपुर छ.ग., **चौहद्दी**:–उत्तर–गार्डन, दक्षिण–गली, पूर्व–सीढ़ी, पश्चिम–फ्लैट नंबर–406 एवं 407.
7.	**श्री कुमार पंकज,** फ्लैट–508, फ्लोर–5, साई विला एंड अपार्टमेंट ब्लॉक 1(बी), स.क्र., खसरा नं. 303/2-10-15, प.ह.नं. 44/49; ग्राम– जंजगिरि, तह.–धमधा, दुर्ग–490042. **श्री कुमार पंकज,** मकान/भवन/Apr:288K, ग्राम/नगर/शहर मोह भाठा, जिला–बलौदा बाजार पो. मोहभट्ठा राज्य छत्तीसगढ़, मोहभट्ठा–बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़ – 493113. **श्री कुमार पंकज,** सुश्री पंकज पंजारिया, मकान नं. 288K, मोहभट्ठा, मोहभट्ठा– बलौदा बाजार – 493113. **श्रीमती पंजियारा बिन्दु कुमारी उर्फ श्रीमती साह बिन्दु कुमारी,** मकान नं. 288K, मोहभट्ठा, बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़, पिन–493113. **श्रीमती पंजारिया, बिंदु कुमारी उर्फ श्रीमती साह बिंदु कुमारी,**फ्लैट –508, फ्लोर–5, साई विला एंड अपार्टमेंट ब्लॉक 1(बी), स.क्र., खसरा नं. 303/2-10-15, प.ह.नं. 44/49; ग्राम– जंजगिरि, तह.–धमधा, दुर्ग–490042.	₹ 15,30,550/- as on 31-DEC-2024	31-Jan-2025	फ्लैट का वह सारा भाग एवं आंशिक भाग, क्षेत्रफल–499 वर्ग फीट, खसरा नंबर–303/2, 303/10 का भाग, 303/115, मौजा–जंजगिरि, फ्लैट नंबर– 508, बीएचके 2, ब्लॉक–बी, 5वीं मंजिल "साई विला एंड अपार्टमेंट्स" प.ह.नं.–44/49 आरआईसी–अहिवारा, तह. धमदा और जिला दुर्ग छत्तीसगढ़, **चौहद्दी:**– उत्तर–खुला आकाश, दक्षिण–समतल–507, पूर्व–समतल संख्या 506, पश्चिम–खुला आकाश।
8.	**श्री रतेरिया अशोक कुमार,** फ्लैट–B-302, फ्लोर–3, पार्क सिटी टावर, 2 बीएचके, ब्लॉक बी, स.क्र., खसरा नंबर 109/1(ख) 109/4(क), ग्राम– छातामुरा, प.ह.नं. 23, रायगढ़–छ.ग.–496001. **श्री रतेरिया अशोक कुमार,** फ्लैट–बी–302, फ्लोर–3, पार्क सिटी टावर, 2 बीएचके, ब्लॉक बी, स.क्र., खसरा नंबर 109/1(ख) 109/4(क), ग्राम– छातामुरा, प.ह.नं. 23, रायगढ़–छ.ग.–496001. **श्री रतेरिया अशोक कुमार,** मे. नारायणी ट्रेडर्स, 10, राधे कॉम्प्लेक्स, छातामुड़ा रायगढ़, रायगढ़ – रायगढ़–छ.ग. –496001. **श्रीमती रतेरिया रुक्मणी,** वार्ड क्रमांक–19, आशीष ट्रेडिंग, कंपनी गांधी चौक रायगढ़, रायगढ़, छत्तीसगढ़ राज्य–496001. **श्रीमती रतेरिया रुक्मणी,** फ्लैट–बी–302, फ्लोर–3, पार्क सिटी टावर, 2 बीएचके, ब्लॉक बी, स.क्र., खसरा नंबर 109/1(ख) 109/4(क), ग्राम– छातामुरा, प.ह.नं. 23, रायगढ़–छ.ग.–496001.	₹ 24,19,524/- as on 31-DEC-2024	31-Jan-2025	फ्लैट के सभी भाग एवं आंशिक भाग, क्षेत्रफल–1377 वर्ग फीट, खसरा क्र.–109/1/ख. और 109/4/क, स्थित–मौजा–चटामुरा, फ्लैट नंबर–B-302, तीसरी मंजिल "पार्क सिटी टावर", 2 BHK, प.ह.नं.–23/6, वार्ड–34, अंबेडकर नगर, आरआईसी पुसौर, तहसील पुसौर और जिला–रायगढ़, छत्तीसगढ़, **चौहद्दी**:–उत्तर–खुला आकाश, दक्षिण–फ्लैट B-303, पूर्व–खुला आकाश, पश्चिम –लॉबी और सीढ़ी.
9.	**टीकम श्वेता,** फ्लैट–B-509, फ्लोर–5, अविनाश अतुल्य, ब्लॉक–बी, क्रमांक, खसरा नंबर 148/8-122-123, प.ह.नं. 05, ग्राम–जगदलपुर, देहात, तहसील–जगदलपुर, बस्तर– 494001. **टीकम श्वेता,** द्वारा–कन्हैया लाल टीकम, होटल पूनम कॉम्प्लेक्स, सर्किट हाउस रोड, चांदनी चौक बस्तर, जगदलपुर – 494001. **टीकम श्वेता,** मेसर्स. श्वेता टीकम, अतिथि होटल के पीछे, शांति नगर, जगदलपुर – 494001.	₹ 27,92,226/- as on 31-DEC-2024	05-Feb-2025	आवासीय फ्लैट/अपार्टमेंट का सभी भाग एवं आंशिक भाग, Bua-758 वर्ग फुट (कारपेट एरिया–711 वर्ग फुट), खसरा नंबर–148/8, 148/122 और 148/23 भाग– मौजा–जगदलपुर, फ्लैट नंबर–509, 5वीं मंजिल, ब्लॉक–बी "अविनाश अतुल्य अपार्टमेंट" प.ह.नं.–05, वार्ड नंबर–21, राजेंद्र नगर वार्ड, तह –जगदलपुर, जिला–बस्तर, छत्तीसगढ़ और **चौहद्दी** : – उत्तर –सड़क, दक्षिण–खुला क्षेत्र, पूर्व –फ्लैट नं.–B 508, पश्चिम–फ्लैट नं.–B-510.
10.	**श्री तिवारी आर डी,** फ्लैट–605, फ़्लोर–6, अविनाश प्राइड ब्लॉक, स.क्र., खसरा नं. 230/1-2-3-4-5-7-8-9, 231/1-2-3-4, 613/1, प.ह.नं.103/34, ग्राम– हीरापुर, रायपुर–492001. **श्री तिवारी आर डी,** 2G स्ट्रीट 36, सेक्टर–06, वार्ड 48, सिविक सेंटर, भिलाई – 490006. **श्री तिवारी आर डी,**परिमल मंदिर, 1 बैद कॉम्प्लेक्स, दलदल सिवनी रोड, मोवा, रायपुर – 492001. **श्रीमती तिवारी किरण,** 2G स्ट्रीट 36, सेक्टर–06, वार्ड 48, सिविक सेंटर, भिलाई – 490006. **श्रीमती तिवारी किरण,** फ्लैट–605, फ़्लोर–6, अविनाश प्राइड ब्लॉक, स.क्र., खसरा नं. 230/1-2-3-4-5-7-8-9, 231/1-2-3-4, 613/1, प.ह.नं.103/34, ग्राम– हीरापुर, रायपुर–492001.	₹ 17,44,582/- as on 31-DEC-2024	05-Feb-2025	रिहायशी फ्लैट नंबर–605, 6वीं मंजिल, ब्लॉक नंबर–I, माप–1077 वर्ग फुट, ख.नं.–230/5, 230/7, 230/8, 231/2, 613/1, 231/1-3-4, 230/4 एवं 230/9 मौजा–जरवाय (हीरापुर) "अविनाश गौरव" प.ह.नं.–34, वीर सावरकर वार्ड, तह एवं जिला–रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं **चौहद्दी**:–उत्तर–सीढ़ी, दक्षिण–फ्लैट–1-604, पूर्व–खुला स्थान, पश्चिम–खुला स्थान।
11.	**श्री एस. योगेश्वर देव,** फ्लैट–84/B, ग्राउंड फ्लोर, पारिजात अपार्टमेंट, स.क्र., ट्वीन तालपुरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आमदी, रुआबांधा, भिलाई, दुर्ग–491001. **श्री एस. योगेश्वर देव,** 163/1, मरघट पारा, गुरुगोविंद सिंह वार्ड क्रमांक 36, जगदलपुर – 491001. **श्री एस. योगेश्वर देव,** CIEL Hr. सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, 2802, दूसरी, तीसरी मंजिल, ब्रॉडवे, 27वीं बिल्डिंग , मेन रोड 1, सेक्टर HSR बेंगलुरु, बेंगलुरु – 560102.	₹ 5,36,855/- as on 31-DEC-2024	05-Feb-2025	फ्लैट का पूरा टुकड़ा और पार्सल– 84/B, भूतल, EWS पारिजात अपार्टमेंट, क्षेत्रफल–359.92 वर्ग फुट, Super Builtup Area, खसरा क्र. 4/3, स्थित–छ.ग. गृह निर्माण मंडल, ट्वीन सिटी, आमदी, रुआबंदा बस्ती, तालपुरी वार्ड नंबर 63, तहसील और जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ और **चौहद्दी**:– उत्तर – फ्लैट –84/A, दक्षिण – फ्लैट, पूर्व – फ्लैट, पश्चिम – फ्लैट –84/C.
12.	**श्री एस. योगेश्वर देव,** फ्लैट–84/A, ग्राउंड फ्लोर, पारिजात अपार्टमेंट, स.क्र., ट्वीन तालपुरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आमदी, रुआबांधा, भिलाई, दुर्ग–491001. **श्री एस. योगेश्वर देव,** 163/1, मरघट पारा, गुरुगोविंद सिंह वार्ड क्रमांक 36, जगदलपुर – 491001. **श्री एस. योगेश्वर देव,** CIEL Hr. सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, 2802, दूसरी, तीसरी मंजिल, ब्रॉडवे, 27वीं बिल्डिंग , मेन रोड 1, सेक्टर HSR बेंगलुरु, बेंगलुरु – 560102.	₹ 5,33,343/- as on 31-DEC-2024	05-Feb-2025	फ्लैट का पूरा टुकड़ा और आंशिक भाग– 84/A, भूतल, EWS पारिजात अपार्टमेंट, क्षेत्रफल–350.99 वर्ग फुट, Super Builtup Area, खसरा क्र. 4/3, छ.ग. गृह निर्माण मंडल स्थित, ट्वीन सिटी, आमदी, रुआबंदा बस्ती, तालपुरी वार्ड नंबर 63, तहसील और जिला दुर्ग छत्तीसगढ़, **चौहद्दी**:– उत्तर–सड़क, दक्षिण–फ्लैट 84/B, पूर्व –फ्लैट, पश्चिम–फ्लैट–84/D.

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।

यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।

उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान : दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, रायगढ़ — कृते / प्राधिकृत अधिकारी

दिनांक : 16.02.2025 — पंजीकृत पता– एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर पर्ल (पश्चिम), मुंबई–400020 — एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

प्रथम पृष्ठ का शेष

कमल का 'कमाल'...

पूरे प्रदेश में भाजपा का जीत का जश्न -भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे प्रदेश भर में जमकर जश्न मनाया गया। रायपुर में राजेश मूणत, प्रदेश के मंत्री राम विचार नेताम के साथ ही महापौर का चुनाव जीतने वाली मीनल चौबे सहित भाजपा नेताओं ने एकात्म परिसर में जीत का जश्न मनाया। इसी तरह से दुर्ग में विजय शर्मा, रायगढ़ में ओपी चौधरी, बिलासपुर में अरुण साव, अमर अग्रवाल, कोरबा में लखन लाल देवांगन, जगदलपुर में किरण देव ने भाजपा के प्रत्याशियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मिठाईयां बांट कर मनाया। **पहली बार पांच महिला महापौर जीतीं** -नगर निगम के इतिहास में पहली बार चार महिला महापौर जीती हैं। जहां रायपुर, कोरबा और दुर्ग में आरक्षण में महिला महापौर के लिए सीट आरक्षित थी, वहीं भाजपा ने बिलासपुर और अंबिकापुर में कांग्रेस के पुरुष प्रत्याशियों के खिलाफ महिला प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था। ऐसे में बिलासपुर से पूजा विधानी और अंबिकापुर से मंजूषा भगत को जीत मिली। वैसे कांग्रेस ने भी रायगढ़ से भाजपा के पुरुष प्रत्याशी के सामने महिला प्रत्याशी जानकी काटजू को मैदान में उतारा था, लेकिन उनको जीत नहीं मिल सकी।

ऐतिहासिक सफलता मिली..

उन्होंने कहा, अटल संकल्प पत्र के सभी वादों को शत प्रतिशत पूरा करेंगे। कांग्रेस घोषणा पत्र के माध्यम से ठगने का काम करती है। भाजपा जो कहती है वो करती है।

जनता की करेंगे...

पिछले पांच साल में कांग्रेस के कार्यकाल में कोई काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक तौर पर नल द्वारा स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। शहर के सले ग्रामीण क्षेत्र विकास से अछूते रहे हैं, जनता से मुलाकात के दौरान बहुत सारी समस्याएं सामने आई हैं, वे उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगी।

जनता की उम्मीदों...

कोई भी व्यक्ति कभी भी मुझसे सीधा संपर्क कर सकेगा। केन्द्र में, राज्य में भाजपा की सरकार होने का फायदा रायगढ़ निगम को मिलेगा। उन्होंने कहा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी की रणनीति भी काम कर गई। ओपी चौधरी एक कलेक्टर रह चुके हैं। उनके पास विजन भी है।

भरोसे पर खरा...

में भी भाजपा पर विश्वास व्यक्त किया है। जनता का यह विश्वास बीते एक साल से प्रदेश में काम कर रही भाजपा के कार्यों की वजह से आया है। बीते 10 साल से नगर पालिक निगम कोरबा में कांग्रेस के महापौर का शासन था। इन 10 वर्षों में नगर का विकास बुरी तरह ठप हो चुका था।

मंजूषा भगत ने...

दिन मेरी जीत मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर के विधायक, सांसद के साथ ही प्रदेश की सरकार का साथ नगर निगम को मिलेगा और पहले की तरह नगर निगम में बजट का रोना नहीं होगा। नगर निगम में विकास कार्यों के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

लिखेंगे विकास की...

जीत जनता की उम्मीदों और भाजपा की जनहितकारी नीतियों की जीत है। क्षेत्र में विकास की नई गाथा लिखी जाएगी और हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना हमारी प्राथमिकता होगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा महापौर प्रत्याशी रामनरेश राय ने 5692 मतो से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. विनय जायसवाल को हराया। चिरमिरी निगम में भाजपा को 18891 वोट तो कांग्रेस को 13199 वोट मिले।

मधुसूदन बोले- करेंगे...

निभाएंगे। चुनाव के दौरान जो वायदे किए गए थे, वे पूरे किए जाएंगे। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय शहर की जनता, कार्यकर्ताओं और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को दिया है। श्री यादव ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि सभी का मान रहे एवं उनकी वजह से जनता को निराश ना होना पड़े। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में शहर का निरंतर विकास कार्य करने का प्रयास करेंगे।

अटल विश्वास पत्र...

करती है, इसलिए जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला। हमें जीत की जो गरिमा प्राप्त हुई हैं, उसका एक ही कारण है कि हर कार्यकर्ता इस लड़ाई में जूटा रहा।

हमने बनाया है,...

नारा...हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे... धमतरी में लागू होगा। पुराने पेडिंग वर्क के साथ नए विकास कार्य करवाने प्रतिबद्ध हैं।

भारी पड़ा भाजपा...

साफ-सफाई में बहुत पीछे है, हमारा प्रयास रहेगा रैकिंग में शहर को टॉप पर पहुंचाना। हर चुनाव चुनौती से भरा होता है, कोई भी चुनाव सरल नहीं होता है।

बस से टकराई...

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रयागराज-मीरजापुर राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसने कहा, मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

केजरीवाल पर गिरी...

महल की जांच को लेकर आदेश जारी किया है। बता दें कि इस विधानसभा चुनाव में शीश महल बड़ा मुद्दा बना था। बीजेपी और कांग्रेस ने मिलकर शीश महल को लेकर केजरीवाल की बखिया उधेड़ी थी। इस घर में सोने की कमोड, से लेकर सोने की बाथ टब और करोड़ों के पर्दे होने के आरोप हैं।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है-वेल्डर, हेल्पर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9039524801, 9753511108 (36843)

आवश्यकता है-आफिस कार्य टिकट बुकिंग हेतु लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार मिलने का समय सुबह 9 से 2बजे सम्पर्क करें राजहंस ट्रेवल्स, भगत लॉज के नीचे, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 9669228000 (36833)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु गर्ल्स की आवश्यकता हैं जिसे बेसिक, MS Office एवं अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान हो। रिज्यूम सहित सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक सर्विसेस, नियर बोहरा मस्जिद खपरगंज बिलासपुर 93016 65714 (36838)

आवश्यकता है-थोक दुकान में काम करने हेतु फुल टाईम एकाउन्टेन्ट, टेली कालर, कम्प्यूटर आपरेटर, अनुभवी सेल्समेन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7240970000 (36842)

आवश्यकता है-घर एवं ऑफिस की साफ सफाई हेतु महिला, पुरुष की आवश्यकता है समय सुबह 9 से दोपहर 2, वेतन 5000 महीना। सम्पर्क- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़, रायपुर रोड, बिलासपुर 93406 00776 (36844)

आवश्यकता है-परसदा (सकरी) दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कंस्ट्रक्शन साईट में रह कर सिर्फ चौकीदारी काम करने हेतु चौकीदार की तत्काल आवश्यकता है वेतन 7000 प्रति माह सम्पर्क करें- 98842 61185 (36845)

आवश्यकता है-बुजुर्ग महिला की देखभाल के साथ घरेलू कार्य करने हेतु लड़की/ महिला की आवश्यकता है कार्य का समय मॉर्निंग अथवा नाइट शिफ्ट सम्पर्क करें- 90981 52123 (36839)

आवश्यकता है-गर्ल्स हॉस्टल में कार्य हेतु अनुभवी वार्डन, साफ सफाई करने के लिए महिला एवं अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8817485860, 93023 12528, 9302312463 (36840)

आवश्यकता है-रिटेल दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-कृष्णा स्कीन क्लीनिक सरकंडा बिलासपुर 7999677226 (36841)

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु अनुभवी रिसेप्शन मैनेजर एवं रूम सर्विस के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल नटराज लिंक रोड बिलासपुर 9977861508 (36786)

आवश्यकता है-घरेलु कार्य हेतु एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है (समय सुबह 9 से शाम 6.30 तक) सम्पर्क करें- शिव मंदिर के पास, विद्या नगर बिलासपुर 9685901101, 70009 53447 (36832)

आवश्यकता है-शिखर सेनेटरी दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों एवं मार्केटिंग के लिए लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- परिजात कैसल के सामने, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 99811 98077, 9981152678 (36818)

आवश्यकता है-ड्राइवर-2 (डिलीवरी वाहन हेतु) लड़के-2 (डिलीवरी, स्टॉक डिलीवरी हेतु) लड़की-2 स्टॉक निकालने हेतु मार्केटिंग हेतु सेल्समैन-1 वेतन योग्यता अनुसार पता- एनटी & सन्स दीनदयाल उद्यान के पास व्यापार विहार बिलासपुर 9881122060 (36820)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन कम्पनी में मैनेजर- 2 (सिविल कार्य अनुभवी) कम्प्यूटर ऑपरेटर- 1, ड्राइवर-1 की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- समय 12बजे से शाम 5बजे तक अनुमेष कंस्ट्रक्शन तोरवा बिलासपुर 9993495123 (36822)

आवश्यकता है-होलसेल रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़के लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता 12वीं पास वेतन योग्यता अनुसार (कार्य समय सुबह 9बजे से शाम 7बजे) सम्पर्क करें- 7879889898, 79701 05174 (36808)

आवश्यकता है-प्रिंटिंग युनिट को चाहिए मैनेजर-1, एकाउंटेंट फीमेल-1, ग्राफिक डिजाइनर-2, LED बोर्ड जानकार-2 सैलरी 10000+ बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- प्रिंट आइडिया, सुभाष कॉम्प्लेक्स, जरहाभाठा बिलासपुर 93002 93445, 7999415807 (36793)

आवश्यकता है-जेसीबी मशीन 3DX माडल चलाने के लिये कुशल एवं जानकार आपरेटर की आवश्यकता है जिसके पास स्वयं का वाहन हो सैलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जादवानी कंस्ट्रक्शन बिलासपुर 9827126666, 9827177676 (36810)

आवश्यकता है-वॉक इन इंटरव्यू पीजीटी टीचर, टीजीटी टीचर सभी विषय कम्प्यूटर टीचर,बीएड, डीएड कम्पल्सरी प्रीप्राइमरी टीचर, हॉस्टल वॉर्डन, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, मार्केटिंग इंचार्ज, ट्रांसपोर्ट इंचार्ज, रिसेप्शनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, कुक, ड्राइवर बस, कार मेल/फीमेल अनुभवी एवं प्रशिक्षित अंग्रेजी बोलचाल विशेषज्ञों को प्राथमिकता अपना रिज्यूम और अनुभव सर्वप्रथम वाट्सएप पर सैंड करें कॉल 9685536109 स्थान त्रिमूर्ती पब्लिक स्कूल सिटी ऑफिस अम्बे प्लाजा प्रथम तल एक्सीस बैंक के ऊपर नया बस स्टैण्ड के सामने तिफरा बिलासपुर (36814)

आवश्यकता है-मंत्रा इलेक्ट्रीक ऑटो शोरूम में की सेल्स-5 (अनुभवी) मैकेनिक-2 (अनुभवी) आवश्यकता है। सम्पर्क करे श्री मोटर्स तिफरा बिलासपुर 9039140362, 73891 45700, 7898869370 (36828)

आवश्यकता है-डेंटल क्लीनिक में अनुभवी, स्मार्ट कम्प्यूटर जानकार रिसेप्शनिस्ट (फीमेल) एवं सहायक (मेल/ फीमेल) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- उषा डेंटल, CLC प्लाजा के पीछे, मंगला चौक, बिलासपुर 7067224456, 9827871450 (36799)

आवश्यकता है-जेसीबी मशीन आपरेटर लोकल बिलासपुर हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार बाजार चौक यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 97533 11111 (36816)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड की तत्काल भर्ती बिलासपुर कोनी, सेंदरी, पुराना बस स्टैण्ड, तेलीपारा, मंदिर चौक, चकरभाठा हेतु चाहिए आवास मुफ्त वेतन 9000 से 12000 तक सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 9993336942, 9589316942 (36815)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वॉय चाहिए योग्यता 12वीं वेतन 9000- 10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कंपनी व्यापार विहार रोड, गुम्बर पेट्रोल पंप के सामने (36811)

आवश्यकता है-घर कार्य हेतु सभी प्रकार की गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है आधार कार्ड लाईसेन्स के साथ सम्पर्क करें-8839405065 (36805)

आवश्यकता है- युवक/ युवतियों की दुकान कार्य में करने हेतु/ हेल्पर, डीटीपी कम्प्यूटर, ऑपरेटर, स्क्रीन प्रिंटर हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- दीपक काड्र्स गांधी चौक के पास, बिलासपुर 9301189006 (36829)

आवश्यकता है-तिफरा इंडस्ट्रीयल एरिया स्थित पानी फेक्ट्री में रहकर काम करने के लिए बाहर के मजदूरों एवं बॉटल मशीन आपरेटर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9425272222 (36788)

आवश्यकता है-एम्बिशन मार्केटिंग में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कीयों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क करें- शॉप नम्बर FS-16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 7806007192 (36771)

आवश्यकता है-Reliance Jio 5G कंपनी Sms Sending Calling Job करके लड़के, लड़किया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए 21500-48500 महीना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ़्त Name, पता Qualification, Call/ sms/ whats app करें- 8918984004 (3262)

आवश्यकता है-बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7471176423 (36790)

आवश्यकता है- अमसेना पेण्ड्रीडीह कोल डिपो में 5वर्ष अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर माइनिंग अनुभवी एवं 5वर्ष अनुभवी सुपरवाइजर कोल से संबंधित फील्ड का अनुभवी चाहिए। रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें- 9893111718 (36837)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने के लिए लड़की या महिला की आवश्यकता है। वेतन 5000 से 6000 तक। सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 8962881411, 9826163818 (36804)

आवश्यकता है-सीए आफिस में चपरासी (सुबह 9 से रात 9बजे) 10वीं पास की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सीए दिनेश अग्रवाल, मेन रोड, विद्या नगर, बिलासपुर 93005 01028, 7440969033, 07752403233 (36795)

आवश्यकता है-कानूनी पुस्तक दुकान में कार्य हेतु लड़के लड़कियां चाहिए हिन्दी टाइपिस्ट को प्राथमिकता वेतन- 6000 से 8000 पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर 9827079947 (36797)

आवश्यकता है-24 घंटा घर पर रहकर तीन साल के बच्चे के समस्त कार्य करने हेतु एक लड़की की आवश्यकता है (बिलासपुर में)। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 98263 07980, 8698067737 (36798)

आवश्यकता है-होलसेल खिलोना दुकान मे काम करने के लिए अनुभवी लड़को की (जिसे खिलोने दुकान मे काम करने का अनुभव हो) कार्टून पैकिंग का अनुभव हो संपर्क करे- तेलीपारा 7711006641, 9753330000 (36813)

आवश्यकता है-क्लीनिक में काम करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, राजीव प्लाजा के पास बिलासपुर 7880210386 (3291)

Wanted-We are seeking a Human Resource Manager to oversee Recruitment, employee relations, and performance HR strategies and policy development Compliance with labor laws Requirements 10+ Years of Proven HR experience Strong communication and organizational skills What we offer Competitive salary+ Other benefits Send resume or call 7970010958 (3289)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के और लड़कियां, पैकर, डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर (36823)

आवश्यकता है-सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 14500 से 18000 सम्पर्क करें- Tango Security Pvt. Ltd. ऑरेंज हाइव, 6th फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर 8109070600, 7869230888 (2476)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग ऑफिस कार्य हेतु युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000+ कमीशन+ बोनस ट्रेनिंग के बाद 7000 से 10000 प्रति महीना शीघ्र संपर्क- पुराना बस स्टैंड करबला रोड बिलासपुर- 9826674407, 97569 65893 (3286)

आवश्यकता है-ऑटोमोटिव बैट्री व टायर सेल्स हेतु सेल्समेन (लड़कों), टेली कॉलर/ एकाउंटेंट (लड़की), ड्राइवर, बैट्री टेक्नीशियन, वेतन- योग्यता अनुसार 7000 से 18000+ इनसेंटिव, सम्पर्क करें- सिंघानिया इंटरप्राइजेस श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 70490 16518, 7974811410 (3290)

आवश्यकता है-जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए वेतन 10000+कमीशन +बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- 8085888353, 89620 00161 (303)

आवश्यकता है-कैरियर जॉब कंसलटेन्सी में पर्सनल सेकेटरी, टैली कॉलर, प्लांट सुपरवाइजर रिसेप्शनिस्ट, बिलिग एक्जीक्यूटिव, नर्सिंग, कस्टमर रिलेसन्स, सिक्युरिटी ऑफिसर, कंप्यूटर ऑपरेटर, बिलिग इंचार्ज, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर, सेल्स ट्रेनर, स्टोर इंचार्ज साइड सुपरवाइजर, पीआरटी इंग्लिश हिन्दी एन्ड केजी मदर टीचर संपर्क- ऑफिस रायपुर घड़ी चौक 7879706968, 73896 69576, 9131685985, 6265983246 (982)

आवश्यकता है-आगरा में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 89378 47856, 6395268809 (301)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर आपरेटर सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं से स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई-5.7, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-Alert SGS Private Limited 434 चतुर्थ तल प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर रायपुर 7746000016, 77470 00019 (3160)

आवश्यकता है-रियल एस्टेट कंपनी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्स स्टाफ महिला, साइट सुपरवाइजर सिविल एवं रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क- राजकिशोर नगर बजरंग चौक बिलासपुर 8839002378 (3297)

आवश्यकता है-रायपुर/ भिलाई सहित केंद्र सरकार के प्रतिष्ठत संस्थान हेतु सुरक्षागार्डो की आवश्यकता है न्यूनतम योग्यता 10वीं पास उचाई- 5'-6'' उम्र 23-44 साल के बीच वेतन 20000 मासिक संपर्क- सीडीओ सिक्योरिटी 79749 12977 (684)

आवश्यकता है-Hindustan पेन्सिल पेन के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी करके 85000-95000 कमाने की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में उपलब्ध आपको नौकरी चाहिए तो कॉल करे- Whats App 6397479854 (14159)

आवश्यकता है-पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। सम्पर्क करें-8981475043, 80172 71898 (3275)

आवश्यकता है-Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए 15000 से 45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Call/ Whats App/ SMS करें- 7866031540 (679)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35वर्ष वेतन 5000 +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें नेहरू नगर साईं मंदिर के पास 7805932585 (3299)

आवश्यकता है-घर में रहकर घरेलू काम मे मदद और बच्चे की देखभाल हेतु ग्रामीण युवती की आवश्यकता है रहने की सुविधा वेतन 10000 संपर्क- गांधी चौक बिलासपुर 97708 63628, 9827959907 (3296)

आवश्यकता है- कार शो रूम नया बस स्टैंड तथा बाइक शो रूम महाराणा चौक डे या नाईट कार्य करने हेतु इच्छुक गार्ड संपर्क करें 9981630084 (3298)

सर्विसेस

सर्विसेस- सलाह सर्विसेस कंसल्टेंसी ऑफिस में वर्क फ्रॉम होम, ऑफिस कार्य, फील्ड कार्य उपलब्ध है। पता- सेकेण्ड फ्लोर, लैण्ड मार्क काम्प्लेक्स, करबला रोड, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 6269020001, 62690 20002 (36836)

बेचना है

बेचना है-रतनपुर केरा तालाब से लगा हुआ पूर्व मुखी 20 फीट रोड पर 44×55= 2420 वर्गफीट का प्लाट अति शीघ्र बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 9407912771, 88272 88033 (36827)

बेचना है-तिफरा नया बस स्टैण्ड के सामने, अम्बे प्लाजा में सेकेण्ड फ्लोर पर दो दुकानें बेचना है प्रति दुकान 360 वर्गफिट 12×30 सम्पर्क करें- पीएल अग्रवाल 9827112330 (36819)

बेचना है-वार्ड नं.-16 कुदुदण्ड पानी टंकी के सामने गली में 1डिसमिल जमीन में बना 2मंजिला मकान नीचे 1कमरा, किचन अटेच लेटबाथ, ऊपर 1हाल लेटबाथ सर्वसुविधायुक्त कीमत 1851000 सम्पर्क 9753505350, 95222 48786 (36846)

बेचना है-कामर्शियल 35×81= 2835 वर्गफुट प्लाट चारों तरफ रोड सामने 80 फुट रोड यदुनन्दन नगर तिफरा एवं GST आफिस बाजू आवासीय प्लाट एवं पंधी 30, 70 डिसमिल आवासीय राजपाल कंस्ट्रक्शन 9300612345 (36768)

बेचना है-तेलीपारा 16×88 प्लाट वृंदावन काम्प्लेक्स 3दुकान इमलीपारा डबल स्टोरी मकान नेहरू नगर 5800 प्लाट, अग्रसेन चौक डबल स्टोरी मकान मित्र विहार 17×47 तोरवा 6000 डबल स्टोरी मकान फुलफर्निश्ड सम्पर्क- 9302855022 (36821)

बेचना है-तिफरा यदुनन्दन नगर 1500 वर्गफिट प्लाट में बना 2BHK घर और दुकान 40लाख एवं सेक्टरडी में 700 रुपए वर्गफिट पर डायवर्टेड प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9826314444 (36800)

बेचना है-पुराना बस स्टैण्ड इमलीपारा रोड पर गोपाल मोबाइल के बाजू गली में मेन रोड ने 50मी. अन्दर 20×54= 1080 वर्गफुट से बना पूर्व मुखी मकान बेचना है सम्पर्क- 9479169958, 94790 26526 (36831)

बेचना है-श्याम टाकीज स्थित श्याम खाटू मंदिर के पास पवन बूट हाउस के बाजू में डबल डेकर दुकान बेचना है। सम्पर्क करें-9302133788 (36794)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

बेचना है-हर्ष- फिनिक्ससिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (36177)

बेचना है-फ्लैट तथा स्वतंत्र मकान बेचना है शैलोम होम्स टावर पूर्ण विकसित सेंट फ्रांसिस स्कूल के पास 2BHK रेडी पजेशन फ्लैट फॉल सीलिंग सहित कीमत मात्र 22लाख एवं प्राइम लोकेशन 27खोली विष्णु नगर बिलासपुर में 4BHK प्लॉट एरिया 5500 वर्गफुट कंस्ट्रक्शन एरिया 2500 वर्गफुट सर्वेन्ट रूम सहित उपलब्ध। सम्पर्क- 96446 44754, 9752020227 (36809)

किराया

किराया-व्यापार विहार गुम्बर पेट्रोल पम्प पीछे दर्श टॉवर में ऑफिस, बैंक, कोचिंग, क्लीनिक, पार्लर, हॉटल, रेस्टोरेन्ट, दुकान, स्टोर, व्यावसायिक कार्य हेतु भूतल 370 वर्गफिट, प्रथम, द्वितीय, तृतीय तल 530 वर्गफिट किराये से देना है सम्पर्क- 9098950356, 74892 44588 (36824)

किराया-दीनदयाल नगर मंगला में नवनिर्मित मकान एवं दुकान एलआईजी 754 किराए से देना है संपर्क करें 94241 46418, 9691299994 (36807)

किराया- 1200 वर्गफीट हॉल मंगला चौक बैंक ऑफ इंडिया की बिल्डिंग में किराये से देनाहै संपर्क करें 9425535104, 9039968650 (36830)

किराया-बजरंग काम्प्लेक्स तेलीपारा में फर्स्ट फ्लोर में 300 स्क्वायर फुट की दुकान किराये पर देना है किराया मासिक 10000 रुपए। सम्पर्क करें- 9630195928 (36817)

किराया-लोकेशन बजाज पेंट मंगला चौक मिनोचा कॉलोनी गेट नं-1 के सामने, ग्राउंड फ्लोर 900 वर्गफीट, फर्स्ट फ्लोर 2000 वर्गफीट दुकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 9827167987, 88718 87871, 7329873298 (36835)

किराया-27×100 का एक हाल फर्स्ट फ्लोर में पार्वती राइस मिल के सामने HDFC बैंक के बगल में एवं व्यापार विहार में सांई मंगलम के सामने रोड पर 22×80 तीन मंजिला किराये से देना है डॉक्टर बैंक, ऑफिस को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9827165884, 98271 70147 (36806)

किराया-फ्रेंड्स रेसीडेंसी नूतन चौक सरकंडा में एक डुप्लेक्स मकान किराया से देना है शासकीय नौकरी वाले को प्राथमिकता किराया प्रतिमाह 8000+बिजली बिल+ कालोनी मेंटेनेंस सम्पर्क करें 96912 92992 (36803)

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रतिमाह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क-APS इंटरप्राईजेस, रायपुर-9111760925, 74772 21345, बिलासपुर- 83599 13999, 9589288936 रायगढ़, अंबिकापुर 78697 55871 (3194)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

मांगलिक वधु चाहिए
32 वर्षीय, 5'4" अग्रवाल/ ग्रेजुएट, बिलासपुर में दुकान व घर है, छत्तीसगढ़ या मध्यप्रदेश से हिंदी भाषी अविवाहित कन्या चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें।
6232014944

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82
हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करे
9131453175

वधु चाहिए-ब्राह्मण 40/5'-3'' ग्रोत्र- शाण्डिल्य इलेक्ट्रिकल गारमेंट कॉन्ट्रेक्टर स्वयं का व्यवसाय मासिक आय 80 हजार हेतु विधवा तलाकशुदा, अविवाहित, बिना बच्चे वाले संपर्क करे- 98262 94381,9329023361 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें)(671)

वधु चाहिए
ब्राह्मण वर्षो से अकेले अधिकारी को अधिकतम 45 वर्ष तक की "जिम्मेदारीमुक्त" महिला साथी चाहिए जाति बंधन नहीं उच्च जाति को प्राथमिकता स्वयं फोन करें.
मो.: 7898132122

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी:- मो.9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो.9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने निकली भारतीय टीम, रोहित-कोहली का अंतिम टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर शनिवार को पाकिस्तान की मेजबानी में हो रहे चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए दुबई रवाना हो गए। पहली बार टीम के सभी खिलाड़ी एक साथ छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे। मुख्य कोच गौतम गंभीर, उप-कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सहित टीम के अधिकतर सदस्य टीम बस में हवाई अड्डे पहुंचे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने कुछ प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देकर या हाथ हिलाकर उनका आभार व्यक्त किया।

भारतीय टीम पिछले साल जून में टी20 विश्व कप जीतने के बाद एक और वैश्विक ट्रॉफी हासिल करने की उम्मीदों के बीच आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई के लिए दोपहर की उड़ान में सवार हो गई। भारतीय टीम स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए गई है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। भारत लीग चरण में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

भारतीय टीम का शेड्यूल

दिनांक	टीमें	स्थान
20 फरवरी	भारत/बांग्लादेश	दुबई
23 फरवरी	भारत/ पाकिस्तान	दुबई
2 मार्च	भारत/ न्यूजीलैंड	दुबई

ग्रुपवार टीमें

ग्रुप ए - पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश

ग्रुप बी - दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

युवा खिलाड़ी बिखेरेंगे जलवा

भारतीय टीम में शामिल कुछ युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करके अपनी जगह मजबूत करना चाहेंगे। उप कप्तान गिल अपनी शानदार फॉर्म जारी रखकर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के चयन समिति के फैसले को सही साबित करना चाहेंगे। चोट के कारण बुमराह की अनुपस्थिति अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों के लिए यह एक अवसर है, जबकि वरुण चक्रवर्ती साबित करना चाहेंगे कि वह टीम के मारक हथियार हैं।

फार्म में लौटे रोहित-कोहली

भारत को अगर चैंपियंस ट्रॉफी में टी20 विश्व कप की कहानी दोहरानी है तो उसके दोनों स्टार बल्लेबाज रोहित और कोहली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में विफल रहने के कारण इन दोनों को हाल में आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में इन दोनों ने हालांकि फॉर्म में वापसी करने के संकेत दिए। रोहित ने कटक में खेले गए दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाए जबकि कोहली ने अहमदाबाद में तीसरे वनडे में अर्धशतक लगाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की करीबी नजर रहेगी।

एक साथ दुबई रवाना हुई टीम

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई रवाना हो चुकी है। सामने आए वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा समेत सभी खिलाड़ी नजर आए। इससे पता चलता है कि बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए नए नियमों का सख्ती से पालन हो रहा है। मुंबई एयरपोर्ट के वीडियो में सबसे आगे कोच गौतम गंभीर चेक इन के लिए जाते दिखे। उनके पीछे वॉशिंगटन सुंदर, उपकप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, एसिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे, मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव और कुछ और स्टाफ नजर आए। फिर रोहित शर्मा भी एक कार से निकलते दिखे और वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ दिखे।

टूर्नामेंट का रोमांच फीका बाहर हुए 10 दिग्गज

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत में अब चंद दिन बचे हुए हैं। शुरुआती मुकाबला 19 फरवरी को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, रोहित शर्मा, जो रूट, बाबर आजम, केन विलियमसन, मोहम्मद शमी, कगिसो रबाडा जैसे धुरंधर भाग लेने जा रहे हैं। इन खिलाड़ियों पर सबकी निगाहें होंगी। हालांकि कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं, जो इस टूर्नामेंट का पार्ट नहीं होंगे। खास बात यह है कि इन खिलाड़ियों को प्रोविजनल स्क्वॉड में सम्मिलित किया गया था, लेकिन चोट या अन्य वजहों के चलते वो चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। ऐसे में इस टूर्नामेंट का रोमांच थोड़ा फीका हो चुका है। आइए ऐसे 10 खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं...

जसप्रीत बुमराह : भारत

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की समस्या के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर गए। भारतीय टीम के लिए ये बहुत बड़ा झटका रहा। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान बुमराह की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था, जिससे वो रिकवर नहीं कर पाए।

अल्लाह गजनफर: अफगानिस्तान

'मिस्ट्री स्पिनर' अल्लाह गजनफर रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। गजनफर को पिछले साल दिसंबर में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोट लग गई थी।

ऑस्ट्रेलिया के 5 खिलाड़ी बाहर

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी में अपने स्टार खिलाड़ियों के बगैर उतरेगी। पैट कमिंस, मिचेल मार्श और जोश हेजलवुड इंजरी के चलते भाग नहीं ले पाएंगे। वहीं मिचेल स्टार्क ने व्यक्तिगत कारणों के चलते टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भी अचानक ओडीआई क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

एनरिक नॉर्किया : द.अफ्रीका

तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया साउथ अफ्रीकी स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन पीठ की तकलीफ के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। नॉर्किया की जगह गेराल्ड कोएट्जी को स्क्वॉड में शामिल किया जाना था, लेकिन वो भी इंजर्ड हो गए। अंत में ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश की स्क्वॉड में एंट्री हुई।

जैकब बेथेल: इंग्लैंड

इंग्लैंड के हालिया भारत दौरे के दौरान ऑलराउंडर जैकब बेथेल को हैम्स्ट्रिंग इंजरी हो गई थी। ऐसे में बेथेल का चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने का सपना टूट गया।

बेन सियर्स : न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स भी हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए।

15 मैच खेलेंगी 8 टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 15 मुकाबले होंगे। इसमें भाग ले रही 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप-ए में हैं। उनके साथ बाकी दो टीमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। जबकि ग्रुप-बी में साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड को रखा गया है। सभी टीमें अपने-अपने ग्रुप में 3-3 मुकाबले खेलेंगी। इसके बाद हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी के सभी 15 मुकाबले 4 वेन्यू पर खेले जाएंगे। इसमें 3 वेन्यू पाकिस्तान में होंगे। जबकि एक वेन्यू दुबई रहेगा। टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी।

गुलवीर ने 3000 मी. इंडोर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी ▶▶| बोस्टन

हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बोस्टन में बीयू डेविड हेमेरी वेलेंटाइन इंविटेशनल टूर्नामेंट में पुरुषों का 3000 मीटर इंडोर रेस का 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा।

सेना के 26 वर्ष के धावक ने सात मिनट 38.26 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने सुरेंदर सिंह का 2008 में बनाया सात मिनट 49.47 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा। सुरेंदर अब कोच हैं। गुलवीर की नजरें अब विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों के 10000 मीटर के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसमें 27 मिनट प्रवेश मार्क है। उन्होंने एशियाई खेलों में 10000 मीटर में कांस्य पदक जीता था।

महिला प्रो लीग

भारत ने इंग्लैंड को हराकर किया अभियान का आगाज

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान का आगाज ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ शनिवार को कलिंगा स्टेडियम पर 3-2 से जीत के साथ किया।

भारत के दो गोल पेनल्टी कॉर्नर पर वैष्णवी फाल्के ने छठे और दीपिका ने 25वें मिनट में किए जबकि नवनीत कौर ने आखिरी सीटी बजने से एक मिनट बाकी रहते विजयी गोल दागा। इंग्लैंड के लिए डार्सी बूर्न ने 12वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि फियोन क्रेकल्स ने 58वें मिनट में फिर बराबरी का गोल दागा। वैष्णवी ने एफआईएच रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत के लिए पहला गोल किया। मनीषा चौहान का पेनल्टी कॉर्नर पर शॉट डिफेंडर की स्टिक से टकरा गया और गेंद फिर बाहर आ गई जिसे वैष्णवी ने गोल के भीतर डाला। इस बीच डार्सी ने भारतीय डिफेंस की चूक का फायदा उठाकर बराबरी का गोल कर दिया।

फिरोजा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे गुकेश, कीमर बने विजेता

एजेंसी ▶▶| हैम्बर्ग

विश्व चैंपियन डी गुकेश यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच की दूसरी बाजी में ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे। गुकेश इस तरह से इस टूर्नामेंट में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाए और उनके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ। गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस बीच जर्मनी के विंसेंट कीमर ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए खिताब जीता। उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआत में सबसे कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था।

राणा हाई परफॉर्मेंस और जीतू 10 मीटर एयर पिस्टल के कोच

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा को शनिवार को 25 मीटर पिस्टल का हाई परफार्मेंस कोच नियुक्त किया जबकि जीतू राय को 10 मीटर एयर पिस्टल का कोच बनाया गया है। देश में निशानेबाजी की सर्वोच्च खेल संस्था एनआरएआई ने यहां कॉनस्टिट्यूशन क्लब में अपनी शासी निकाय की बैठक के दौरान कई पूर्व निशानेबाजों को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया।

हाल में द्रोणाचार्य पुरस्कार पाने वाली दीपाली देशपांडे को मुख्य कोच (राइफल) के रूप में भी नियुक्त किया गया है। कुल मिलाकर कोचिंग टीम में 16 नए सदस्य नियुक्त किए गए हैं जबकि

19 सदस्यों को बरकरार रखा गया है। इनमें एक समन्वयक (अमर जंग सिंह) और बधिर निशानेबाजों के लिए दो कोच (प्रीति शर्मा और अनुजा जंग) शामिल हैं। जिन प्रमुख नामों को राष्ट्रीय टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है उनमें दिग्गज पिस्टल निशानेबाज जीतू (10 मीटर एयर पिस्टल), पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा घाटकर (10 मीटर एयर राइफल), पेम्बा तमांग (25 मीटर पिस्टल), अमरिंदर चीमा (स्कीट) और वर्षा तोमर (ट्रैप) शामिल हैं।

मनशेर-रौनक को भी मिली जिम्मेदारी

मनशेर सिंह और रौनक पंडित को भी क्रमशः शॉटगन और पिस्टल निशानेबाजी के लिए हाई परफार्मेंस निदेशक नियुक्त किया गया है। राणा के अलावा जिन अन्य को हाई परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया है उनमें डी.एस. चंदेल (एयर राइफल), अनवर सुल्तान (ट्रैप) और मनोज कुमार (50 मीटर राइफल) शामिल हैं। अनुभवी विक्रम चोपड़ा (शॉटगन) और समरेश जंग (पिस्टल) को अपने पदों पर बरकरार रखा गया है।

सलामी अंग्रेज बल्लेबाज बेन डकेट फिट घोषित

लंदन। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फिट घोषित हो गए हैं। डकेट को भारत के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार को आखिरी वनडे के दौरान फील्डिंग करते हुए ग्रोइन में चोट लगी थी। उनका स्कैन कराया गया जिससे पता चला कि चोट गंभीर नहीं है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'बाएं ग्रोइन की चोट के स्कैन से पुष्टि हो गई है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट फिट हैं और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध हैं।'

पदक विजेता को नगद राशि देगा ओडिशा

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में रविवार को संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा के खिलाड़ियों ने 14 स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीते। राज्य ने पदक तालिका में 12वां स्थान हासिल किया। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपए, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपए और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

शब्द पहेली - 5780

बाएँ से दाएँ

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, रूम-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तरुणाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आधार-3
5. बीताना, यापन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरुरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर, सवेरा-3
24. सना हुआ, तर-4
25. छल, धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

■ मंगल सेनाचा, बैंगलोर

शब्द पहेली - 5779 का हल

सूडोकु नवताल - 5790

★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5789 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

MATS UNIVERSITY

mats UNIVERSITY ready for life.......

NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

CHHATTISGARH'S FIRST AND ONLY PRIVATE UNIVERSITY ACCREDITED WITH AN A+ GRADE BY NAAC

Heartfelt Congratulations!

We proudly celebrate our achievement of NAAC A+ Accreditation, a testament to the unwavering commitment, dedication, and excellence of our

faculty, students, staff, alumni, and valued stakeholders. This milestone reaffirms our pursuit of academic brilliance and innovation.

Best Wishes to Future Achievers!

MATS University extends its best wishes to all students appearing for various Board Examinations and Competitive Examinations. May your hard work, perseverance, and determination lead you to success. Keep striving for excellence!

ADMISSIONS OPEN FOR THE SESSION 2025-26

Join a university that nurtures talent, fosters creativity, and shapes future leaders. Secure your place at MATS University and embark on a journey of knowledge, research, and holistic development.

School of Engineering
M.Tech.
B.Tech.
Diploma
Admission Help Line : 7389356989, 9109951182

School of Management
M.B.A.
B.B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9109913111

School of Information Technology
M.C.A.
M.Sc. (CS)
P.G.D.C.A.
B.Sc. Animation & Graphic Deisgning
B.C.A.
D.C.A.
Admission Help Line : 9109951181

School of Sciences
M.Sc.
Microbiology/ Chemistry/ Botany/ Zoology Mathematics/ Forensic Science
B.Sc.
Biotechnology/ Microbiology/ Forensic Science CBZ/ PCM
Diploma (Forensic Science & Criminology)
Admission Help Line : 9109991032

Law School
LL.M.
B.A. LL.B.
LL.B.
Admission Help Line : 9109997900

School of Business Studies
M.Com.
B.Com. (Hons.)
Admission Help Line : 7389376989

School of Fashion Designing & Technology
M.Design
B.Sc. (Hons.)
Admission Help Line : 9109951183

School of Library & Information Science
M.Lib.I.Sc.
B.Lib.I.Sc.
Admission Help Line : 9109991031

School of Physical Education
M.A. Yoga
B.P.Ed.
P.G.D.Y.Ed.
Admission Help Line : 9755199381

School of Education
M.A. - Education
B.Ed.
Admission Help Line : 9109951184

School of Pharmacy
B.Pharmacy
D.Pharmacy
Admission Help Line : 9755199381

School of Arts & Humanities

Department of Psychology
M.Sc. Psychology
P.G.D.G.C.
B.Sc. (Hons.) Psychology
Admission Help Line : 7471180268

Department of Hindi
M.A.
B.A. (Hons.)
Diploma
Admission Help Line : 7880001773

Department of English
M.A.
B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9752942949

Department of Social Work
B.S.W.
M.S.W.
Admission Help Line : 9109994500

Ph.D. Entrance Exam Notification

It is hereby notified that the Ph.D. Entrance Exam for March 2025 shall be conducted on 01st March, 2025 for the subjects as mentioned below:

Ph.D. Programs

Chemistry Biotechnology Microbiology Biochemistry	Bio Science Computer Science and Application (IT) Management	English Hindi Psychology Social Work	Library & Info. Science Law Education Commerce	Engineering (Mechanical/ CSE / Electrical Engineering. / Electronics Engineering.	Applied Geology / Civil Mathematics Physical Education Yoga

For Registration and Information please visit www.matsuniversity.ac.in or call +91 93002 09515 / 0771-4078995

EXAMINATION CENTER
Raipur Campus, MATS Tower, Pandri, Raipur - 492 004

Date of Examination : 01-03-2025

Time of Written Examination : 11:00A.M. to 1:00 P.M.
Time of Interview : 2-00 P.M. to 5-00 P.M.

ACCREDITATION & AFFILIATION

UGC AIU CGPURC AICTE NCTE BCI NAAC PCI

FOR DETAILS CALL : 1800 123 819999

ADMISSION OFFICE : RAIPUR CAMPUS, MATS TOWER, PANDRI, RAIPUR, CG, 492 004
UNIVERSITY CAMPUS : AARANG KHARORA HIGHWAY, AARANG, RAIPUR, CG, 493 441
Tel : 0771 4078995, 96, 98 **Mob:** 9109951184, 9755199381, 9109994500 **Email :** admissions@matsuniversity.ac.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com